29 जुलाई 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

ई रिक्शा के लिए कब्रगाह बनी स्टेशन रोड, पूरे दिन पलटते रहे वाहन, विरोध में उतरे चालक

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पटना में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, मंत्रियों के बंगले से बाजार तक हुआ पानी-पानी

केटी न्यूज/पटना

राज्य में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है और राजधानी पटना में बीती रात से लगातार बारिश हो रही है, जिससे शहर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुछ ही घंटों की भारी वर्षा ने पटना को पानी-पानी कर दिया है। रेलवे स्टेशन की पटरियों पर पानी भर गया है वहीं पटना एयरपोर्ट के उड़ान संचालन पर भी इसका बुरा असर पड़ा है। आधा दर्जन से अधिक उड़ानें लेट हुई हैं और दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट को दो बार चक्कर लगाने पड़े। सीएम नीतीश कुमार का कटिहार दौरा रद्द करना पड़ा, जो प्रगति यात्रा के अंतर्गत

● पटना में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, राजधानी हुई पानी-पानी

स्वीकृत योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने जा रहे थे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास में भी पानी भरने की खबर है। शहर की मुख्य सड़कें जैसे अटल पथ, गोविंद मित्रा रोड, वीरचंद पटेल पथ, जलजमाव के कारण तालाब में तब्दील हो गई हैं। हवाई अड्डा थाना के पास एक पेड़ गिर गया, वहीं प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की दीवार पर पेड़ की डाल टूटकर गिर गई। कंकरबाग, राजेंद्र नगर, किदवईपुरी, गर्दनीबाग, विधानसभा परिसर समेत कई मोहल्लों और कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बन गई है। जेपी लेन, राजापुर दीघा रोड, डाक बंगला चौराहा और पाटलिपुत्रा गोलंबर से रूबन अस्पताल तक सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। कई घरों में पानी घुस गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पटना नगर निगम की टीम जलनिकासी के कार्य में जुटी है, हालांकि नालों की सफाई में पहले की गई लापरवाही अब भारी पड़ रही है। कई स्थानों पर पंप लगाकर पानी निकाला जा रहा है, लेकिन जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इधर, गंगा नदी का जलस्तर जो पहले खतरे के निशान से नीचे था, अब फिर से तेजी से बढ़ने लगा है। गांधी घाट पर गंगा का पानी बढ़ने से राजापुर दीघा रोड की कई दुकानों और स्कूलों में पानी भर गया है। भारत इंस्टिट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स परिसर और हज भवन के पीछे स्थित स्कूल, दोनों जलमग्न हो गए हैं। स्कूली बच्चों, ऑफिस जाने वालों और सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। फिसलन भरी और जलमग्न सड़कों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। नगर निगम की तैयारियों और व्यवस्था पर अब सवाल उठ रहे हैं।

विदेश मंत्री ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के सभी अटकलों को किया खारिज

संघर्ष विराम की घोषणा तक पीएम व ट्रंप के बीच नहीं हुई कोई बातचीत

- जम्मू-कश्मी को लेकर सिर्फ एक ही मुद्दे पर बातचीत होगी, वह है पीओके की वापसी

एजेंसी/नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने में भूमिका निभाई थी। जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल से 17 जून (संघर्ष विराम की घोषणा की तारीख) के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा 10 मई को तब हुई थी, जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष से हॉटलाइन पर संपर्क करके इसके लिए गुहार लगाई।

विदेश मंत्री जयशंकर की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा बार-बार किए गए उन दावों के बाद आई है कि उन्होंने

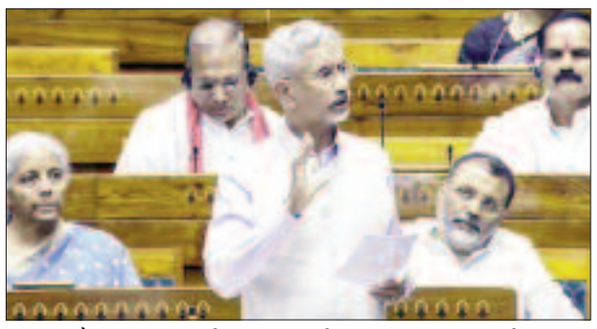

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के लिए ट्रेड रोकने की धमकी दी। बता दें कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में भारतीय सेना द्वारा आतंकवादी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष बढ़ गया था। भारत ने दृढ़तापूर्वक और बार-बार डोनाल्ड ट्रंप के विभिन्न अवसरों पर किए गए दावों को खारिज किया है, साथ ही जम्मू-कश्मीर को लेकर किसी भी तरह की मध्यस्थता के प्रस्तावों को भी ठुकरा दिया। भारत ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ जम्मू-कश्मी को लेकर सिर्फ एक ही मुद्दे पर बातचीत होगी, वह है उसके कब्जे वाले कश्मीर की वापसी को लेकर।

व्यापार और युद्धविराम को लेकर कोई बातचीत नहीं: भारत ने ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के साथ युद्धविराम को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जोड़ने के प्रयास को भी खारिज कर दिया है। अमेरिकी नेता ने श्रेय लेने के अपने एक प्रयास के दौरान कहा कि उन्होंने पीएम मोदी और पाक अधिकारियों से कहा था कि दोस्तों, चलो परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करते... चलो उन चीजों का व्यापार करते हैं जिन्हें आप इतनी खूबसूरती से बनाते हैं। जयशंकर कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जब पीएम मोदी से फोन पर बात की थी, तब वह उनके साथ थे। विदेश मंत्री ने कहा कि तब भी, जहां तक भारत का सवाल है, व्यापार और युद्धविराम को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि भारत अपनी धरती पर आतंकवादी गतिविधि बर्दाश्त नहीं करेगा और उसे अपने नागरिकों की सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है।

हमें चीन पाकिस्तान संबंध पर चेताया जा रहा है: विदेश मंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने पूरी पढ़ाई में इतिहास नहीं पढ़ा है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि पीओके 1950 में बनाया गया। चीन और पाकिस्तान ने 1966 में मिलकर सैन्य प्रशिक्षण शुरू हुआ। 1980 में जब राजीव गांधी चीन और पाकिस्तान गए थे तब चीन पाकिस्तान के बीच परमाणु समझौता चरम पर था। हमें चीन पाकिस्तान संबंध पर चेताया जा रहा है। जबकि यह 60 साल से चल रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज लोग कह रहे हैं कि देश 26/11 हमले के बाद से आतंकी हमलों से जूझ रहा है। सदन के उस बैठे लोगों से मैं कहूंगा कि मुंबई ट्रेन में विस्फोट हुआ था। इससे पहले तत्कालीन यूपीए सरकार ने पाकिस्तानी सरकार से बात की थी। जिन्होंने कभी कुछ नहीं किया, वे सवाल पूछ रहे हैं। यह शर्मनाक है।

भारत को झुका सके ऐसा कोई है :

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत का दूसरा सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का श्रेय नरेंद्र मोदी को है। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता पीएम मोदी हैं। भारत को झुका सके ऐसा कोई है। भारत ढाई मोर्चे पर लड़ रहा था। यह आधा मोर्चा राहुल आक्यूपाइड कांग्रेस है। इसी कांग्रेस ने आर्मी चीफ को सड़क का गुंडा कहा। राहुल गांधी को सेना से माफी मांगनी चाहिए। बाटला कांड में शहीद होने वाले को श्रद्धांजलि नहीं दी। कांग्रेस सेना के साथ नहीं, आतंकियों के लिए आंसू बहाती है। कांग्रेस ने देश की जनता का मनोबल तोड़ा है। इतिहास नरेंद्र मोदी को उनके धैर्य के लिए याद रखेगा और राहुल गांधी को धोखे के लिए धिक्कारेगा। दो बार तो वे विपक्ष के नेता बनने लायक भी नहीं रहे। वे भारत की सेना और पीएम मोदी का विरोध करते रहते हैं। वे पाकिस्तान के प्रोपैगैंडा के पोस्टर बॉय बन गए हैं।

मनेर विधायक भाई वीरेंद्र के खिलाफ एसटी-एससी थाने में पंचायत सचिव ने दर्ज कराया केस

केटी न्यूज/पटना

पंचायत सचिव को फोन करके जूते से मारने की धमकी देना मनेर के आरजेडी विधायक को महंगा पड़ गया। देखते ही देखते पंचायत सचिव और विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वही अब विधायक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। विधायक की बात से आहत होकर पंचायत सचिव ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया है. वो भी एसटी-एससी थाने में पंचायत सचिव संदीप कुमार ने भाई वीरेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पंचायत सचिव संदीप कुमार ने मनेर के राजद विधायक के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद जब थाने से बाहर निकले तो मीडिया से भी रू-ब-रू हुए। मीडिया के एक-एक सवालों का बड़े ही बेबाक होकर जवाब दिया। पंचायत सचिव ने कहा कि विधायक भाई वीरेंद्र ने फोन पर धमकी देते हुए कहा है कि कुछ भी हो सकता है। उन्होंने जूते से मारने की भी धमकी दी है। यह सब मोबाइल में कैद हो गया है। उसी का वीडियो वायरल हो रहा है। संदीप कुमा मनेर प्रखंड में ही तैनात हैं। उन्हें अब जान का डर सता रहा है, इसलिए उसने विधायक भाई वीरेन्द्र के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति थाने में

ऑपरेशन महादेव : सेना से मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

एजेंसी/नई दिल्ली

श्रीनगर के बाहरी इलाके में स्थित लिदवास के जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच सोमवार को जबरदस्त मुठभेड़ हुई। सेना ने इस कार्रवाई को ऑपरेशन महादेव का नाम दिया है। सूत्रों के मुताबिक, सेना को लिदवास क्षेत्र के घने जंगलों में चार आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। वहीं अब तक की कार्रवाई में तीन आतंकियों को मार गिराने की खबर है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है।

भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स ने ऑपरेशन महादेव की जानकारी साझा करते हुए बताया कि भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया। ऑपरेशन अभी जारी है। मारे गए आतंकियों के पास भारी मात्रा में हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इन मारे गए आतंकियों का पहलगाम आतंकी हमले से कनेक्शन हो सकता है. दरअसल कुछ दिनों पहले ही नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनसे मिले इनपुट के बाद सेना ने यह ऑपरेशन किया था।

चार पैरा की एक टीम ने आतंकियों के एक ग्रुप को घेरा

दरअसल सेना ने इसी महीने डाचीगांव इलाके में एक संदिग्ध टेररिस्ट कम्युनिकेशन पकड़ा था। शक था कि इस कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल करने वाले का पहलगाम हमले से संबंध हो सकता है। इसके बाद सेना की कई टुकड़ियों को उस इलाके में तैनात किया गया और तब से वे इलाके में सर्च ऑपरेशन और निगरानी कर रही थीं। सोमवार की सुबह करीब 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और चार पैरा की एक टीम ने आतंकियों के एक ग्रुप को घेरा। खुद को घिरा हुआ देख आतंकियों ने गोलीबारी कर दी, जिसके बाद सेना की जवाबी फायरिंग में तीन आतंकी मारे गए। हालांकि अभी पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता है कि ये आतंकी वही हैं। पहलगाम के बैसरण घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला कर दिया।

शेल्टर होम में एचआईवी ग्रसित नाबालिग लड़की से रेप, चार आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी/मुंबई

लातूर जिला कोर्ट ने शनिवार को एचआईवी पीड़ित नाबालिग लड़की से कथित बलात्कार के मामले में गिरफ्तार चारों आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के ढोकी थाना पुलिस को शिकायत मिली थी कि लातूर के हासेगांव में स्थित एचआईवी पीड़ित बच्चों का सेवालय में एक नाबालिग लड़के की साथ कथित तौर पर दो साल तक बलात्कार किया गया। इसके अलावा उसे जबरन गर्भपात के लिए मजबूर किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि ये घटना 13 जुलाई 2023 से 23 जुलाई 2025 के बीच हुई. शिकायत में बताया गया कि शेल्टर होम के एक कर्मचारी ने लड़की के साथ चार बार बलात्कार किया और उसे धमकी दी कि वह इस बारे में किसी को न बताए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, संस्था के प्रबंधन ने पीड़िता की मदद नहीं की और उसने अधिकारियों के लिए लिखे गए एक शिकायती पत्र को फाड़ दिया जो उसने शिकायत पेटी में डाला था। जब लड़की की तबीयत बिगड़ी तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में पता चला कि वह चार महीने की गर्भवती थी।

पहले दिया करंट, फिर घोटा गला : प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी ने पति को उतारा मौत के घाट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत लगुनियाँ रघुकंठ वार्ड संख्या-46 में शुक्रवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति सोनू कुमार (30) की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में आरोपी पत्नी स्मिता झा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि उसका प्रेमी और इस वारदात का सहआरोपी ट्यूशन शिक्षक हरिओम अब भी फरार है। उसकी तलाश में पुलिस द्वारा लगातार

छापेमारी की जा रही है। मृतक के पिता टूनटून झा ने मुफस्सिल थाने में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि उनका पुत्र सोनू ई-रिक्शा चलाकर पूरे परिवार का भरण-पोषण करता था और उस पर ही घर की पूरी जिम्मेदारी थी। शुक्रवार की रात वह काम से लौटकर घर आया और दरवाजे पर ही सो गया। शनिवार की सुबह जब घर के अन्य सदस्य जागे, तब इस भीषण वारदात का पता चला और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद स्मिता झा ने पूछताछ में हत्या की पूरी साजिश कबूल की। उसने बताया कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े और मारपीट होती थी, जिससे तंग आकर वह अपने ट्यूशन टीचर हरिओम के संपर्क में आई। इस दौरान दोनों के बीच अवैध संबंध बन गए और नजदीकियां बढ़ती गईं।

बोले सीएम... बुद्ध संग्रहालय के लोकार्पण में 15 देशों के बौद्ध भिक्षु होंगे शामिल

29 को बुद्ध संग्रहालय सह स्मृति स्तूप का भव्य लोकार्पण

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में सौगातों की बरसात शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह घोषणा करते हुए कहा कि 29 जुलाई 2025 को वैशाली में स्थित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का भव्य लोकार्पण होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दुनिया भर के करीब 15 देशों से बौद्ध धर्मावलंबी और बौद्ध भिक्षु शामिल होंगे, जो बिहार के लिए

एक गौरव का क्षण होगा।

नीतीश कुमार अपने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा किया। उन्होंने लिखा है कि यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप, वैशाली का 29 जुलाई 2025 को लोकार्पण होने जा रहा है।

स्तूप का निर्माण राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से किया गया

उन्होंने आगे लिखा है कि 72 एकड़ भूमि पर इस भव्य स्तूप का निर्माण राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से किया गया है। इस परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी काफी अच्छा बनाया गया है ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को सुखद अनुभूति हो। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के प्रथम तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश स्थापित किया गया है, जो स्मारक का प्रमुख केंद्र बिंदु होगा। भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष छह जगहों से प्राप्त हुआ जिसमें वैशाली के मड स्तूप से जो अस्थि अवशेष मिले वह सबसे प्रामाणिक है जिसका जिक्र चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी अपनी पुस्तक में किया है।

हर हर महादेव के नारों से गूंजते रहे शिवालय, तीसरी सोमवारी पर गुलजार रहे मंदिर

केटी न्यूज/बक्सर

पवित्र सावन मास की तीसरी सोमवारी पर जिले के सभी शिवालय शिवभक्तों से गुलजार रहा। तीसरी सोमवारी पर शिवभक्तों ने बड़ी संख्या में शिवालयों में जलाभिषेक किया है। इस दौरान आकर्षण का केन्द्र ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर बना रहा। जहां, हजारों की तादात में शिवभक्तों व कांवरियों ने जलाभिषेक कर देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना की।

सोमवारी पर कांवरियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मौसम अनुकूल होने तथा रिमझिम फुहारों के बीच बड़ी संख्या में कावरिये बक्सर स्थित रामरेखा घाट से गंगाजल लेकर पैदल करीब 40 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करने पहुंचे। इस दौरान रविवार की रात से सोमवार की दोपहर तक पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग कांवरियों से पटा रहा। बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में शिवभक्तों के बड़ी संख्या में पहुंचने का उम्मीद प्रशासन को भी था। जिस कारण प्रशासन सतर्क था। मंदिर प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई एहतियाती कदम उठाए गए थे। जिसमें मंदिर के मुख्य गेट के पास प्रवेश व निकास द्वार, ब्रह्मपुर के सभी बाहरी सीमा पर ड्राप गेट बनवा वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई थी। मंदिर के अंदर मंदिर समिति के सदस्यों के अलावे महिला व पुरूष पुलिस के जवान मुश्तैद रहे। वहीं स्थानीय प्रशासन के अलावे डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी स्थिति की निगरानी करते रहे। ब्रह्मपुर के अलावे जिला मुख्लाय व डुमरांव के शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

कंचनेश्वर शिवधाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

केसठ। सावन मास की तीसरी सोमवारी पर क्षेत्र के प्रसिद्ध कंचनेश्वर शिवधाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से रिमझिम बारिश के बीच हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुष भक्त स्नान ध्यान कर जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर प्रांगण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ पर गंगाजल, भांग, धतूरा, चंदन, बेलपत्र, गुलाल, अबीर और अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर आस्था प्रकट की। भक्तों ने माथा टेककर भोलेनाथ से अपने जीवन में सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।सावन में विशेषकर सोमवारी के दिन यहां दूरदराज से भक्तगण आते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर कमेटी ने पर्याप्त इंतजाम किए थे। स्थानीय स्वयंसेवकों और ग्रामीण युवाओं की मदद से लाइन में जलाभिषेक कराया गया।

इसी कड़ी में केसठ प्रखंड के अन्य प्रमुख शिवालयों, जैसे केसठ नया और पुराना बाजार शिव मंदिर, जमुवाटोला शिव मंदिर, डिहरा महादेव मंदिर समेत अन्य स्थान पर भी भक्तों का तांता लगा रहा। सभी मंदिरों में श्रावणी सोमवारी पर विशेष पूजन, भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और विश्वास के साथ भोलेनाथ की आराधना की। श्रावण मास की सोमवारी को लेकर पूरे केसठ क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

एक नजर

कांवरियों से लदी पिकअप पलटी, दो जख्मी

डुमरांव। पटना बक्सर फोरलेन पर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव के समीप कांवरियों से लदी एक पिकअप अनियंत्रित हो डिवाइडर पर जा पलट गई। इस हादसे में दो कांवरियों को चोटे आई है, जबकि करीब आधा दर्जन आंशिक रूप से जख्मी हुए है। घटना सोमवार सुबह की है। सभी श्रद्धालु ब्रह्मपुर से जलाभिषेक कर वापस लौट रहे थे। घटना के बाद मौके पर कांवरियों के बीच चीख-पुकार मच गई थी। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने आनन फानन में राहत व बचाव कार्य चला कांवरियों को राहत पहुंचाई। घायलों में रोहतास जिले के दिनारा गांव निवासी मुन्ना कुमार एवं एक अन्य के रूप में हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए दोनों गंभीर रूप से घायल कांवड़ियों को इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाए। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को घर भेज दिया गया। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पूरे दिन हुई झमाझम बारिश, खिले किसानों के चेहरे, धान की रोपनी हुई तेज

बक्सर। जिले मे मानसून फिर से सक्रिया हो गया है। सोमवार अहले सुबह से ही पूरे जिले में झमाझम बारिश हो रही है। मानसून के सक्रिय होने से किसानों में खुशी व्याप्त है। बारिश शुरू होते ही रोपनी कार्य में तेजी आ गई है। सोमवार को पूरे दिन बारिश की चिंता छोड़ किसान तथा खेतिहर मजदूर रोपनी करते नजर आए। वहीं, झमाझम बारिश ने उमशभरी गर्मी से निजात दिला दी है। गौरतलब हो कि बारिश नहीं होने से लोग उमशभरी गर्मी से परेशान थे। वहीं, धान रोपनी का कार्य भी बूरी तरह से प्रभावित हुआ था। जिस कारण किसानों की चिंता बढ़ गई थी। लेकिन, मानसून के सक्रिय होने से किसानों की चिंता दूर हो गई है। हालांकि, बारिश होने से शहरी क्षेत्र में लोगों को जलजमाव से परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई गली मोहल्लों में पानी जमा हो गया है। जिस कारण लोगों का आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कंजिया में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में सास-ससुर समेत पांच पर प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के कंजिया गांव में नवविवाहिता नेहा कुमारी की फांसी लगाकर हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतिका के पिता छोटक ठाकुर ने सोमवार को सिकरौल थाना में ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में मृतका के पति जयमंगल ठाकुर, ससुर अशोक ठाकुर, देवर संटू ठाकुर, सास तथा मौसेरी सास को नामजद आरोपी बनाया गया है।

बाइक की चपेट में आ अधेड़ जख्मी, इलाज के दौरान मौत

- पटना-बक्सर फोरलेन पर प्रतापसागर के समीप रविवार देर शाम की है घटना

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना-बक्सर फोरलेन पर रविवार की देर शाम हुए एक सड़क हादसे में एक अधेड़ किसान गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसका इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, उसे टक्कर मारने वाले बाइक सवार भी जख्मी हुए है, जिनमें चालक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

हादसा नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर के पास हुआ। मृतक की पहचान स्थानीय गांव निवासी 64 वर्षीय रामाशंकर यादव के रूप में हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया। जबकि दुर्घटना को अंजाम देने वाली बाइक को जब्त करने के साथ ही बाइक सवार दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार रामाशंकर देर शाम करीब आठ बजे अपने दरवाजे के पास ही एनएच 922 के किनारे खड़े थे। इसी दौरान पुराना भोजपुर की तरफ से जा रहे एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दिया। इस हादसे में रामाशंकर को गंभीर चोटें आई, वहीं बाइक सवार भी सड़क किनारे गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना नया भोजपुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान ही अधेड़ की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, ग्रामीणों में मायूशी छाई है। मृतक अपने पीछे एक पत्नी व पांच पुत्रों को छोड़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वह खेतिहर मजदूर था तथा परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय थी। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी तक मृतक के परिजनों द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है, वैसे पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक सहित स्वास्थ्य कर्मियों पर केस के विरूद्ध में डटे डॉक्टर

पूरे जिले के सरकारी अस्पतालों की ठप रही ओपीडी, बढ़ी परेशानी

- मरीजों को मिला सिर्फ इमरजेंसी सुविधाओं का लाभ, सदर अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पतालों में पसरा रहा सन्नाटा
- सोमवार को सदर अस्पताल में बच्ची की मौत के बाद लोगों ने काटा था बवाल

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को सदर अस्पताल समेत जिलेभर के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप रही। इस दौरान डॉक्टरों तथा पारा मेडिकल स्टाफों ने अपनी एकजुटता दिखाई। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को सिर्फ इमरजेंसी की ही सुविधा मिली।

स्वाथ्यकर्मियों का यह आंदोलन बिहार राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (भासा) के आह्वान पर किया गया था। भासा के सचिव डॉ. संजय कुमार ने कहा कि यदि 72 घंटे के अंदर उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। डॉक्टरों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से पूरे दिन सरकारी अस्पतालों में सन्नाटा पसरा रहा। इस दौरान हजारों मरीज बैरंग लौटे तथा उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। उनकी प्रमुख मांगों में बक्सर नगर थाने में दो डॉक्टरों व दो स्वास्थ्यकर्मियों पर दर्ज कराए गए एफआईआर तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही उस दिन सदर अस्पताल में डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मियों से अभद्र व्यवहार करने एवं भय का माहौल बनाने वालों का चिन्हित किया जाए। उनके विरूद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की जाए। डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उचित सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। जिससे डॉक्टर अपनी सेवा बेहतर तरीके से दें सके।

सदर अस्पताल बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्यकर्मियों पर दर्ज कराया गया है एफआईआर : बता दें कि पिछले सोमवार (21 जुलाई) को सदर अस्पताल में एंटी रैबिज का इंजेक्शन लगाने के पांच मिनट के अंदर ही बरूना निवासी एक बच्ची की मौत पांच मिनट के अंदर हो गई थी। इस घटना के विरोध में उसके परिजनों, ग्रामीणों तथा सामाजिक कार्यकताओं ने जमकर बवाल मचाया था तथा दोषी डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। इस दौरान डॉक्टर तथा अन्य सहयोगी स्टॉफ अस्पताल से भाग खड़े हुए थे।

वहीं, इस घटना के बाद नगर थाने में चार स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया था। जिसके बाद से ही स्वास्थ्यकर्मी आंदोलन की राह पर है। शनिवार को डॉक्टरों तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने काला बिल्ला लगा विरोध जताया था और चेतवानी दी थी कि यदि उनकी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो वे सोमवार को ओपीडी का बहिष्कार करेंगे।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पसरा रहा सन्नाटा : डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा ओपीडी का बहिष्कार करने के बाद सोमवार को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में सन्नाटा पसरा रहा। इस दौरान कई मरीज बैरंग लौटे। अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे अधिवक्ता पृथ्वी नाथ शर्मा समेत अन्य मरीजों ने बताया कि ओपीडी सेवा ठप होने से उन्हें परेशान होना पड़ा है। वहीं, भासा ने चेतावनी जारी की है कि यदि 72 घंटे के अंदर स्वास्थ्यकर्मियों पर दर्ज कराई गई प्राथमिकी को निरस्त नहीं किया जाता है तो आंदोलन और तेज होगा। सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा बाधित होने से मरीजों तथा उनके परिजनों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिस कारण उनमें गहरी नाराजगी देखी गई। कई मरीज बिना इलाज कराये ही लौट गए। वहीं कुछ मरीजों को निजी क्लीनिक में जाना पड़ा।

ई रिक्शा के लिए कब्रगाह बनी स्टेशन रोड, पूरे दिन पलटते रहे वाहन, विरोध में उतरे चालक

- ई-रिक्शा चालकों ने सड़क जाम किया
- जानकारी मिलते ही नप प्रशासन की टूटी तंद्रा
- जेसीबी सड़क किनारे काट अस्थायी नाला

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव का स्टेशन रोड ई-रिक्शा के परिचानल के लिए कब्रगाह बन गया है। डुमरांव विधायक के दावों व सड़क के पैचिंग के लिए एनएचएआई द्वारा कराई जा रही कवायदों के बीच सोमवार को स्टेशन रोड में ईदगाह के पास करीब 8-10 ई-रिक्शा पलट गए। इस दौरान दर्जनभर से अधिक यात्रियों को चोटें आई है। इस दौरान किसी का कमर तो किसी का पैर या हाथ टूटने के अलावे सर फट गया तथा शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटे आई। जबकि आधा दर्जन से अधिक यात्रियों का मोबाईल व कई अन्य कीमती सामान भी सड़क हुए जलजमाव में गिर खराब हो गए। इसके बाद आक्रोशित ई-रिक्शा चालकों ने उक्त जगह पर ई-रिक्शा खड़ी कर सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान स्टेशन रोड में दोनों तरफ लंबा जाम लग गया था। ठीक दोपहर में ई-रिक्शा चालकों द्वारा सड़क जाम किए जाने से कई यात्रियों को परेशान होना पड़ा, वहीं स्कूलों की छुट्टी के बाद बच्चों को घर जाने में घंटों विलंब हुआ। जाम में दर्जनों छोटी-बड़ी स्कूल बसे फंसी रही। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हुआ तथा नगर परिषद द्वारा अपना जेसीबी भेज सड़क किनारे एक अस्थायी नाला काट सड़क पर हुए जलजमाव को निकालने का प्रयास शुरू कर दिया गया। बावजूद करीब दर्जन भर ई-रिक्शा चालक अपना व्यवसाय छोड़ पूरे दिन मौके पर डटे रहे। ईदगाह के पास ई-रिक्शा पलटने से दर्जनों लोगों को चोटे आई है।

नवजात नाती को देखकर आ रही महिला की सड़क हादसे में मौत

केटी न्यूज/केसठ

रविवार की सुबह आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। यह हादसा जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुलौर गांव के समीप हुआ, जहां बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई महिला ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान केसठ गांव निवासी श्रीराम साह की 59 वर्षीय पत्नी चिंता देवी के रूप में की गई है। परिवार वालों के अनुसार, चिंता देवी सात दिन पूर्व अपनी बेटी मानसी के यहां आरा स्थित एक निजी अस्पताल में पोते के जन्म की खुशी में मिलने गई थीं। रविवार की सुबह वे अपने बड़े बेटे धनजी के साथ बाइक से गांव लौट रही थीं। इसी दौरान दुलौर के पास अचानक बाइक के सामने मवेशी आ जाने से असंतुलित होकर दोनों गिर पड़े। हादसे में चिंता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनका बेटा बाल-बाल बच गया।घटना के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए जगदीशपुर से आरा सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतका के दामाद विनय कुमार गुप्ता ने बताया कि उन को अपनी बेटी और नवजात पोते से मिलने की बहुत इच्छा थी, लेकिन लौटते समय यह दुखद हादसा हो गया। चिंता देवी अपने पीछे चार बेटियां लक्ष्मी, धनवंती, मानसी, प्रिया और तीन बेटे धनजी, राजू, नीतीश को छोड़ गई हैं।

पूर्व सैनिकों को मिला वर्षों बाद सम्मान

प्रयागराज। 27 और 28 जुलाई को आयोजित एक भव्य समारोह में देशभर से आए हजारों पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं के चेहरों पर वर्षों बाद मुस्कान लौट आई। कार्यक्रम में रक्षा पेंशन महा नियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा और प्रधान नियंत्रक संदीप सरकार की मौजूदगी में पेंशन और रुका हुआ एरियर चेक के रूप में वितरित किया गया। इसके साथ ही सभी लाभार्थियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पता:- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवाणी मोड़, डुमरांव

बोले प्राचार्य... छात्र-छात्राओं को कॉलेज की ओर मोड़ना रहेगी पहली प्राथमिकता, कक्षाओं पर विशेष ध्यान

एमवी कॉलेज में नये प्राचार्य प्रो.कृष्णाकांत सिंह ने संभाला पदभार

केटी न्यूज/बक्सर

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के अधीनस्थ एमवी कॉलेज के नवनियुक्त प्राचार्य कृष्णाकांत सिंह ने सोमवार को पदभार संभाला है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उनकी प्रतिनियुक्त किया है। कुछ समय से एमवी कॉलेज के प्राचार्य के पद प्रभार में चल रहा था। जिस कारण कई परेशानी आ रही थी। हालांकि आने वाले परेशानियों का निदान जल्द हो जाएगा। प्राचार्य कृष्णाकांत सिंह अंग्रेजी विषय के प्रख्यात विद्वान और अनुशासित शिक्षाविद् हैं। वे शैक्षणिक कौशल, विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए भी चर्चित हैं। प्राचार्य की नियुक्ति पर कॉलेज में उत्साह का माहौल रहा। सभी शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान कॉलेज परिवार ने सामूहिक रूप से उम्मीद जताई कि प्रो.सिंह के नेतृत्व में कॉलेज नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त करेगा। इस अवसर पर प्रो. कृष्णाकांत सिंह ने कहा कि एमवी कॉलेज जैसे महाविद्यालय प्राचार्य बनना गर्व की बात है। कॉलेज में समावेशी, सृजनात्मक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण स्थापित करना मेरी प्राथमिकता है। सबसे पहली प्राथमिकता रहेगी कि कॉलेज में बच्चों ने कक्षाओं में भाग लेना छोड़ दिया है। वह सिर्फ नामांकन के लिए आते है। उनकी सोच में बदलाव लाना है। यह प्रयास किया जाएगा कि छात्र-छात्राएं कॉलेज में कक्षा में भाग लेने के लिए आये। साथ ही कॉलेज की अन्य प्रशासनिक कठिनाईयों का दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से अंग्रेजी विषय में स्नातक, परास्नातक व पीएचईडी किया है। इस दौरान उन्होंने यूजीसी नेट की परीक्षा पास कर ली थी। उनकी नियुक्ति वीर कुंवर सिंह विद्यालय में हुई थी। विश्वविद्यालय के विभिन्न पदों पर कार्य किया। छात्र वेलफेयर के डीन भी रह चुके है। इसके अलावा अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष पर भी रहे। उन्होंने कहा कि अपने अनुभव का पूरा प्रयास करेंगे। जिससे कॉलेज बेहतर तरीके से होगी। ज्ञात हो कि, एमवी कॉलेज,में कई वर्षों से स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हुई थी। जिससे शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। समारोह में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर जा रही कार बिजली के खंभे से टकराई, 5 घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के कालीबाड़ी रोड पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए। सभी घायल यात्री पटना से टाटा जा रहे थे। हादसा उस समय हुआ जब वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे खंभे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का खंभा पूरी तरह टूटकर गिर गया। पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। गनीमत रही कि कार में लगे एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे अंदर बैठे लोगों को गंभीर चोटें नहीं आईं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, कार सीधे सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराई। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। बिजली का खंभा गिरने से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई।घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसा पीएनबी बैंक के सामने हुआ, जहां आमतौर पर काफी भीड़भाड़ रहती है। संयोग अच्छा था कि उस समय सड़क किनारे कोई राहगीर मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बिजली विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त खंभे को हटाने और बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल इलाके में विद्युत सेवा बाधित है। मरम्मत कार्य जारी है।

पलामू एसपी ने थाना प्रभारी राजवर्धन को किया सस्पेंड, अफीम तस्करों से मिली भगत का आरोप

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पिपराटांड़ थाना प्रभारी राजवर्धन को एसपी रीष्मा रमेशन ने सस्पेंड कर दिया है। अफीम तस्करों के साथ मिलीभगत के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। मेदिनीनगर शहर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार को पिपराटांड़ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। पलामू पुलिस ने दो दिन पहले पंजाब और पलामू के आठ अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से 33 लाख रुपए नकद और 314 किलो डोडा बरामद हुआ था। जांच में पता चला कि अफीम तस्करों को पिपराटांड़ थाना से मदद मिल रही थी। थाना प्रभारी की जानकारी में यह तस्करी हो रही थी। मामले में एक रोचक मोड़ तब आया जब पंजाब के रहने वाले एक अफीम तस्कर की बहन ने पलामू एसपी को सूचना दी कि उसके भाई का अपहरण हुआ है। उसने बताया कि फिरौती के रूप में 7.50 लाख रुपए दिए जा चुके हैं।एसपी की स्पेशल टीम ने जांच में पाया कि पंजाब के चार तस्कर अफीम खरीदने पलामू आए थे। उन्हें ट्रैप कर अपहरण की झूठी कहानी बनाई गई थी। इस पूरे मामले की जानकारी स्थानीय थाना को भी थी। इस इलाके में अफीम तस्करों का लगातार आना-जाना रहता है। पंजाब के तस्कर 20 लाख की दो होंडा सिटी कारों से आए थे। जंगली इलाके में महंगी गाड़ियां और अनजान लोगों की आवाजाही पर स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करना, पुलिस और तस्करों के बीच मिलीभगत को दर्शाता है।एसपी रीष्मा रमेशन ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद और भी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो सकती है। अफीम तस्करी में बड़ी मात्रा में कैश का लेनदेन होता है, जिससे कुछ पुलिसकर्मी भी इस अवैध धंधे में शामिल हो जाते हैं।

सांसद ढुल्लू महतो को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, चिटाही धाम जमीन विवाद मामले में सभी आरोपों से बरी

धनबाद, एजेंसी। बीजेपी के धनबाद से सांसद ढुल्लू महतो को बाघमारा के चिटाही धाम रामराज मंदिर से जुड़े बहुचर्चित जमीन विवाद मामले में बड़ी राहत मिली है। एमपी-एमएलए विशेष अदालत (एडीजे-16) ने शनिवार को उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने साक्ष्य के अभाव में यह फैसला सुनाया। मामला बाघमारा विधानसभा के चिटाही धाम रामराज मंदिर परिसर में दुकान लगाने को लेकर था। स्थानीय निवासी डोमन महतो ने सांसद ढुल्लू महतो पर मंदिर के सामने दुकान लगाने से रोकने और जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए बरोरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। शनिवार को विशेष न्यायिक दंडाधिकारी दुर्गेश अवस्थी की अदालत में सुनवाई के बाद ढुल्लू महतो को बरी करने का आदेश दिया गया।सांसद ढुल्लू महतो के अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी ने बताया कि रामराज मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था, जब कुछ लोगों के उकसावे में डोमन महतो ने सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में शिकायतकर्ता ने अदालत में स्वीकार किया कि उन्होंने बहकावे में आकर यह कदम उठाया था। अदालत ने इस बयान और साक्ष्य के अभाव को आधार मानकर ढुल्लू महतो को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया।फैसले के बाद सांसद ढुल्लू महतो ने कहा, मुझे न्यायपालिका पर शुरू से पूरा भरोसा था।

धनबाद-अलेप्पी एक्सप्रेस की बढ़ेगी रफ्तार,

कोयंबटूर 30 मिनट तो 5 मिनट पहले पहुंचेगी एर्नाकुलम

धनबाद, एजेंसी। धनबाद की सबसे लोकप्रिय ट्रेन अलेप्पी एक्सप्रेस की रफ्तार बढ़ेगी। कोयंबटूर 30 मिनट पहले तो एर्नाकुलम पांच मिनट पहले पहुंचेगी। दक्षिण रेलवे ने अपने अधीन जोलारपेट्टई से एर्नाकुलम स्टेशन तक इस ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने को मंजूरी दी है। 29 सितंबर से नई व्यवस्था प्रभावी होगी।

धनबाद से वेल्लूर यानी काठपाड़ी तक 63 स्टेशन पर ठहरने वाली ट्रेन के ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा और न ही गति में बढ़ोतरी होगी। अलेप्पी पहुंचने के समय में भी कोई फेरबदल नहीं होगा। वापसी में भी अलेप्पी से चलने तथा बीच के किसी स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

जोलोपेट्टई में अलसुबह 3:30-3:35 बजे के बदले 3:05-3:10 बजे तक, सेलम में सुबह 5:22-5:25 बजे के बदले 4:52-4:55 बजे, इरोड सुबह 6:35-6:45 बजे के स्थान पर 5:50-6:00 बजे, तिरुप्पुर सुबह 7:28-7:30 बजे के बदले 6:43-6:45 बजे, कोयंबटूर सुबह 8:27-8:30 बजे के बदले सुबह 7:57-8:00 बजे, पलक्कड सुबह 10:00-10:05 बजे के बदले 9:17-9:20 बजे, त्रिशूर 11:17-11:20 बजे के बदले 10:35-10:38 बजे, एर्नाकुलम दोपहर 12:40-12:45 बजे के बदले 12:35-12:40 बजे तक ठहराव होगा।

झाड़ग्राम से धनबाद के बीच सोमवार की सुबह चलने वाली मेमू रद रहेगी। इस वजह से दोपहर में धनबाद से झाड़ग्राम जानेवाली मेमू भी नहीं चलेगी। इसके बाद 30 जुलाई को भी दोनों ओर से रद रहेगी।

भोजूडीह से चंद्रपुरा के बीच चलने वाली मेमू सोमवार को भोजूडीह से महुदा तक चलेगी। वापसी में चंद्रपुरा के बदले महुदा से भोजूडीह तक चलाई जाएगी। एक अगस्त को भी भोजूडीह से महुदा तक चलेगी और वहीं से लौट जाएगी।

आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। दूसरी ओर, धनबाद, बोकारो व रांची होकर चलने वाली जसीडीह-वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 25 अगस्त को रद रहेगी। वापसी में 22 अगस्त को वास्को द गामा से जसीडीह के बीच नहीं चलेगी।

ओडिशा के झारसुगड़ा में यार्ड के विकास कार्यों के कारण ट्रेन रद रहेगी। कल व दो अगस्त को स्वर्णरेखा एक्सप्रेस आद्रा धनबाद से टाटा जानेवाली स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 29 जुलाई को टाटा के बदले आद्रा तक जाएगी। वापसी में आद्रा से धनबाद तक चलाई जाएगी।

दो अगस्त को भी इस ट्रेन के पहिए आद्रा में ही थम जाएंगे। टाटा के बदले आद्रा से धनबाद तक चलेगी। टाटा से आने-जाने वाले यात्रियों को विकल्प ढूंढ़ना होगा।

प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने को लेकर तेज हुई पुलिस की जांच

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग 7 गत दिनों उपद्रवियों के द्वारा पथ निर्माण विभाग स्थित सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ केबी सहाय पार्क में स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया था। खंडित किए जाने की इस निंदनीय घटना से क्षेत्र में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई थी, और लोगों ने इसे जनभावनाओं का घोर अपमान बताया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया और दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की घटना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शांति-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोपरि है। साथ ही, प्रशासन द्वारा सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को पुनः स्थापित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। नई प्रतिमा को पहले से अधिक भव्य और मजबूत बनाया जा रहा है। रविवार को सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा था। इसके बाद केबी सहाय पार्क में केबी सहाय की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय और अमर सेनानी सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के मामले में सदर थाना में अज्ञात के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के आलोक में पुलिसिया जांच तेज हो गई है। शनिवार और पुनः रविवार को सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, बड़ा बाजार प्रभारी बिट्टू रजक, सबइंस्पेक्टर नंदकिशोर दास सहित अन्य जवान व पदाधिकारी केबी सहाय पार्क और पथ निर्माण विभाग चौक के समीप लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

सिदो-कान्हु और पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय की प्रतिमा तोड़े जाने के मामला को लेकर लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। इसको लेकर रविवार को अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम के दिशोम मांझी केंद्रीय अध्यक्ष विनोद किस्कु के निर्देश पर उससे जूड़े नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया।

दो बच्चों को संभालते हुए जेपीएससी में पायी सफलता, दूसरे प्रयास में हुई सफल

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा की न्यू कॉलोनी गांधी टोला निवासी सीमा चौधरी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में 142वां रैंक हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास मानी जा रही है क्योंकि सीमा एक गृहिणी हैं। दो छोटे बच्चों की मां हैं। उन्होंने घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रशासनिक सेवा की कठिन परीक्षा में सफलता पाई है।

शादी के बाद बच्चों के साथ अपने सपनों को भी पाला : सीमा चौधरी चक्रधरपुर की रहने वाली हैं, जहां से उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उनका परिवार चाईबासा आ गया। सीमा की शादी डेयरी फॉर्म चलाने वाले राकेश कुमार से हुई। शादी के बाद उन्होंने अपने सपनों को नहीं छोड़ा, बल्कि नए हौसले के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ीं। उनका कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी बनना उनका सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक मेहनत की। सीमित समय में, घरेलू जिम्मेदारियों और बच्चों की देखभाल के बीच, उन्होंने पढ़ाई का क्रम नहीं टूटने दिया। वे रांची स्थित एक संस्थान से

ऑनलाइन कोचिंग लेती थीं और उसी मार्गदर्शन में अपनी तैयारी को अंतिम रूप देती रहीं।

दूसरे प्रयास में मिली है सफलता : सीमा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे उनके पति राकेश कुमार, सास और पूरे परिवार का भरपूर सहयोग रहा। पति ने न सिर्फ मानसिक रूप से समर्थन दिया, बल्कि घर के कामकाज में भी हाथ बंटाया, जिससे सीमा को पढ़ाई के लिए समय मिल सका। यह उनका दूसरा प्रयास था और इस बार उन्हें झारखंड वित्त सेवा में नियुक्ति मिली है। उनकी सफलता न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि उन सभी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह, सीपी सिंह ने कहा- ग्रामीणों को साहूकारों से मुक्ति दिलाने में हो रहा अच्छा काम

रांची, एजेंसी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) के स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को रांची में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों के साथ-साथ रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में ग्रामीण भारत और झारखंड के विकास में ग्रामीण बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ग्रामीण भारत और झारखंड की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता सीपी सिंह ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले ग्रामीणों के लिए बैंक से कर्ज लेना बेहद मुश्किल था। उन्होंने बैंकरों से अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और ग्राहकों का सम्मान करने की अपील की। सीपी सिंह ने कहा, बैंकरों को राष्ट्रहित में अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। ग्रामीण बैंकों ने लोगों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त किया और कर्ज के माध्यम से किसानों व व्यवसायियों को सशक्त बनाया। आज गांवों के लोग आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं।

ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ के झारखंड महासचिव नितेश मिश्रा ने बताया कि कारोबार के मामले में झारखंड में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तीसरा सबसे बड़ा बैंक है और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा, ग्रामीण बैंकों ने न केवल बैंकिंग सेवाएं प्रदान कीं, बल्कि गांवों को जोड़ा और लोगों को जागरूक किया। हालांकि, उन्होंने बैंक के निजीकरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। मिश्रा ने कहा, यह स्वर्ण जयंती वर्ष उस संघर्ष की याद दिलाता है, जिसने देश के कोने-कोने में ग्रामीण बैंकिंग की अलख जगाई।

नितेश मिश्रा ने बताया कि 2 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने अपनी स्थापना के 50वें वर्ष में प्रवेश किया। इसी उपलक्ष्य में देशभर में स्वर्ण जयंती समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। रांची में आयोजित यह कार्यक्रम भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिसमें ग्रामीण बैंकों के योगदान को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और अतिथियों ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने झारखंड जैसे राज्यों में विकास की गति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह समारोह न केवल बैंक की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के संकल्प को दोहराने का अवसर भी रहा।

नामकुम ग्रिड डकैती कांड में 9 अपराधी गिरफ्तार, ओरमांझी से भी तीन धरे गए

रांची, एजेंसी। जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन (संचरण केन्द्रीय भंडार) के कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों को बंधक बनाकर डकैती डालने वाले नौ अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को 11 अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया था।

बंधक बनाकर दिया गया था डकैती को अंजाम : डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा के द्वारा बनाई गई एसआईटी ने नामकुम ग्रिड में हुए डकैती कांड का खुलासा कर लिया है। कांड में शामिल 11 में से नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन कुमार भुईया उर्फ बौना, जितु कुमार सिंह उर्फ जिजुवा उर्फ जीतु, फुरकान मल्लिक उर्फ फुरकान, बिरेन्द्र बेदिया उर्फ घोंची, दीपक कुमार सोनी, जितेन्द्र कुमार शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही पर कांड में प्रयोग किये गये ऑटो वाहन , ताला काटने में प्रयोग की जाने वाली कटर मशीन, मोबाइल एवं घटना में डकैती

किए गए सामान को बरामद किया गया है।

दिनेश लोहरा निकला मास्टरमाउंड : डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि डकैती गिरोह का मुखिया दिनेश लोहरा है। दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली लातेहार का रहने वाला है। वर्तमान दिनेश डोरंडा के बड़ा घाघरा में रह रहा था। दिनेश ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। डकैती किए हुए सामान को पुन्दाग में कबाड़ी दुकान फुरकान मल्लिक और अरगोडा के कबाड़ी दीपक कुमार सोनी को बेच दिया था।

दिनेश लोहरा के अनुसार कुल 253 किलो 750/- रुपये के हिसाब से प्रति किलोग्राम की दर से बेचा गया था, जिसमें उसे 1,73,000 रुपये मिला। जिसे हम सभी लोग आपस में बांट लिया। वहीं, कबाड़ी दीपक सोनी ने चोरी का समान पटना में बेच दिया और उसके एवज में चार लाख रुपये अपने अकाउंट में मंगवा लिया। पकड़े गए सभी अभियुक्तों के द्वारा इस घटना में अपना-अपना अपराध को स्वीकार किया गया है। डकैती की घटना में संलिप्त अपराधी एवं अन्य की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का झारखंड दौरा : रांची, धनबाद और देवघर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

रांची, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई और 1 अगस्त को झारखंड में रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। राजधानी रांची, धनबाद और देवघर तीनों ही जिलों की पुलिस अलर्ट पर है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति धनबाद में आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। ऐसे में देवघर, रांची और धनबाद में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियों के साथ-साथ पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीजीपी और मुख्य सचिव ने भी बैठक कर कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर आईजी रैंक के एक अधिकारी को नोडल बनाया गया है, ताकि सुरक्षा में कोई त्रुटि न रह जाए।

देवघर में कांवड़ यात्रा पर नहीं पड़ेगा प्रभाव

वर्तमान में सावन का महीना चल रहा है।

सावन के महीने में देवघर में श्रद्धालुओं के कांवरिया पथ को बिना बाधित किए राष्ट्रपति को एयरपोर्ट से एम्स तक ले जाने के लिए अलग मार्ग तय किया गया है। वहीं धनबाद में भी कार्यक्रम स्थल के साथ राष्ट्रपति जिन मार्गों से होकर गुजरेंगी उसे लेकर भी विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। वहीं राजधानी रांची में एयरपोर्ट से राजभवन जाने वाले रास्ते में भी सुरक्षा के विशेष व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति के आने-जाने के दरम्यान ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया जाएगा। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर राज्य के डीजीपी ने बताया कि राष्ट्रपति के झारखंड दौरे में कोई परेशानी नहीं होगी और कोई भी सुरक्षा में त्रुटि में न हो इसे लेकर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

हजारीबाग में नाटक प्रस्तुत कर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

हजारीबाग, एजेंसी। कारगिल दिवस के अवसर पर नगर भवन हजारीबाग में कारगिल के शहीद की याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश के लड़ने वाले अन्य सपूतों को भी याद किया गया उनके परिजनों को नगर भवन हजारीबाग में सम्मानित किया गया।

हो एंटरटेनमेंट ग्रुप से आयोजित सांस्कृतिक संध्या मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन सिर्फ तारीख नहीं है, 26 जुलाई- यह वो दिन है जब भारत ने अपने अदम्य साहस, अपार बलिदान और अटूट संकल्प से इतिहास रचा था। विशिष्ट अतिथि डॉ.कमल नयन सिंह ने कहा विजय कारगिल दिवस, सिर्फ जीत का प्रतीक नहीं है, यह उस जज्बे का उत्सव है, जब बर्फीली चोटियों पर हमारे जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर तिरंगे को झुकने नहीं दिया।हो इंटरटेनमेंट एंड कल्चरल टीम ने इस गर्व के अवसर पर एक विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। देशभक्ति नृत्य, देशभक्ति गीत, शुभी तनवी का बांसुरी वादन, मिमिक्री और रेजांगला नाटक की प्रस्तुति किया।

मौके पर बतौर अतिथि बटेश्वर मेहता और विनोबा भावे के प्राध्यापक विकास कुमार, सुकल्याण मोइत्रा, के.के.गुप्ता, सुबोध कुमार सिंह, प्रदीप सिंह, तापस चक्रवर्ती, अरबिंद जी सहाय, विद्या बक्शी, अमला राणा, किशोर सावंत, ओम प्रकाश, रवि शंकर, के साथ भैया अभिमन्यु प्रसाद भी मौजूद थे। हो इंटरटेनमेंट के संस्थापक रोहित वर्मा ने कार्यक्रम के प्रायोजक गुलमोहर पब्लिक स्कूल, अनंता बाय हिल (रेस्टोरेंट), कारगिल पेट्रोल पंप, तरुणिका फ़ैसन, सावंत इंटर कॉलेज, जी.एम इवनिंग कॉलेज , आरोग्यम हॉस्पिटल, अन्वित मेडिकल, फूड गैरेज, सत्यम कंप्यूटर, अन मास्क्ड साइबर सिक्योरिटी कंसलटेंसी, जन जागरण केंद्र, जानू राज फिल्म प्रोडक्शन को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

ऑपरेशन आहट के तहत मानव तस्करी का प्रयास विफल

ऑपरेशन आहट के तहत मानव तस्करी का प्रयास विफल, 4 नाबालिग बालक रेस्क्यू

रांची, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त कार्रवाई में रांची मंडल में एक बड़ी मानव तस्करी की साजिश को विफल कर दिया गया। ऑपरेशन आहट के तहत की गई इस कार्रवाई में चार नाबालिग बालकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्हें गैरकानूनी तरीके से तमिलनाडु के तिरुपुर ले जाया जा रहा था।

सभी बच्चों को ले जाया जा रहा था तमिलनाडु : घटना के संबंध में बताया गया कि जब आरपीएफ की टीम ने ट्रेन संख्या 13351 दुमका-चित्तरंजन एक्सप्रेस के कोच स6 में संदेहास्पद हालत में बैठे चार नाबालिगों और दो वयस्कों को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बच्चों को काम का लालच देकर तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। जहां उन्हें एक कपड़ा कंपनी में मजदूरी पर लगाया जाना था। दोनों वयस्क व्यक्तियों की पहचान रजु अंसारी और आरिश अंसारी के रूप में हुई है, जिन्होंने पूछताछ के दौरान माना कि वे एक ठेकेदार शोभिक कुमार गोप के कहने पर बच्चों को ले जा रहे थे। बदले में उन्हें 3500 रुपये की दलाली मिलने वाली थी।

रेलवे सुरक्षा बल की महिला सब-इंस्पेक्टर सुनीता तिर्की ने मौके पर एक मोबाइल फोन, यात्रा टिकट और 3500 रुपए की राशि का स्क्रीनशॉट जब्त किया। मामले में सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को एएचटीयू थाना कोतवाली पुलिस को सौंप दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से बची कई जिंदगियां : इस कार्रवाई को रेलवे सुरक्षा बल कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर अंजाम दिया गया, जिसमें आईपीएफ शिशुपाल, स्क्वॉ सूरज पांडेय, सोहन लाल, सुनीता तिर्की तथा स्टाफ के अन्य सदस्य संजय यादव, पिंकी, मोहिनी और दिव्या सिंह शामिल रहे। सभी की त्वरित प्रतिक्रिया और सामूहिक प्रयास से चार मासूम बच्चों को बाल मजदूरी के दलदल में धंसने से बचा लिया गया। कमांडेड पवन कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि लगातार यह अभियान जारी है। गलत गतिविधियों पर आरपीएफ की पैनी नजर है।

मानव तस्करी के विरुद्ध सख्त रुख : रेलवे सुरक्षा बल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि रेलवे के माध्यम से हो रही मानव तस्करी की घटनाओं पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। ऑपरेशन आहट के तहत लगातार निगरानी, जांच और छापेमारी की जा रही है। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

आगे की कार्रवाई जारी : बचाए गए नाबालिगों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की निगरानी में रखा गया है और उनकी काउंसलिंग कराई जा रही है। वहीं, इस पूरे रैकेट की गहराई से जांच की जा रही है ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों तक भी कानून की पकड़ पहुंच सके।

सुभाषितम्

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृति हैं जो मायने रखती है। - विंस्टन चर्चिल

देश छोड़ भाग रहे हैं अमीर

भारत, जिसे कभी प्रतिभा, परिश्रम और संभावनाओं की धरती कहा जाता था, अब भारत के लोग भारत की नागरिकता छोड़कर अन्य देशों में नागरिकता ले रहे हैं.देश चिंताजनक स्तिथि की ओर बढ़ रहा है। पिछले 6 सालों में 10,00,000 से अधिक भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता त्याग दी है। 2023 में ही 2,50,000 से ज्यादा लोगों ने भारत छोड़कर किसी अन्य देश की नागरिकता अपना ली थी। राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह नेयह जानकारी दी है। वर्ष 2019 में 1,44,017, वर्ष 2020 में 85,256, वर्ष 2021 में 1,63,370, वर्ष 2022 में 2,25,620, वर्ष 2023 में 2,16,219, वर्ष 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। इनमें से अधिकांश करोड़पति या हाई नेटवर्थ उद्योगपति कारोबारी और प्रोफेशनल हैं। सवाल है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकता छोड़कर लोग विदेश में क्यों बस रहे हैं।यह पलायन क्या केवल टैक्सेसन, दोहरी नागरिकता, बदलती हुई जीवनशैली,कानून व्यवस्था, सरकारी जांच एजेंसियों का भय इसके पीछे है ? देश की गहराती सामाजिक-आर्थिक असमानता, राजनीतिक अनिश्चितता, रोजाना बदलते नियम और कानून, बढ़ती सरकारी निगरानी के कारण लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता स्वीकार कर रहे हैं? वैश्विक वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत दुनिया का सबसे बड़ा अमीरों वाला देश बन गया है। भारत से ही सबसे ज्यादा धनिक वर्ग विदेश पलायन कर रहा है। यह लोग संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सिंगापुर और टैक्स हेवन देशों की नागरिकता ले रहे हैं। वहां का टैक्स स्ट्रक्चर आसान है। बिजनेस नीति स्थिर है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं है, सरकार का हस्तक्षेप एक तरह से बिल्कुल कम है। जो भारतीय विदेश में जाकर बस रहे हैं। वह भारत की जांच एजेंसियों और सरकार के डर से भाग रहे हैं? भारतीय नागरिकों के विदेश की नागरिकता लेने से भारत को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तो प्रतिभाएं विदेश में जाकर बस रही हैं। अपनी पूंजी विदेश में लेकर जा रहे हैं। जब एक करोड़पति/अरबपति भारत छोड़ता है। तो वह अपने साथ केवल पैसा नहीं ले जाता है। वह निरंतर मिलने वाले रोजगार के अवसर, निवेश की क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर पलीता लगाकर जाता है। पलायन का बढ़ते ट्रेंड का दूसरा पक्ष आम जनता देश में करोबारियों पर बढ़ता सरकारी नियंत्रण, कर नीति की अस्थिरता, अचानक इनकम टैक्स के नियम और कानून में बदलाव, आयकर विभाग के नोटिस, ईडी,सीबीआई,सेबी पर सरकार का नियंत्रण और अनावश्यक उपयोग, कारोबारियों को बुरी तरह से भयभीत कर रहा है। भारतीय न्यायालयों द्वारा सरकार की दबाव में लंबे समय तक जमानत नहीं देना, झूठे प्रकरण बनाकर संपत्ति को जप्त कर लेना, देश का धनिक वर्ग इस स्थिति को देखते हुए स्वयं को और अपने बच्चों के भविष्य को भारत में असुरक्षित मानने लगा है। यह स्तिथि राष्ट्र के नीति-निमार्ताओं के लिए एक बड़ी चेतावनी है। अगर पलायन इसी तरह जारी रहा। ऐसी स्थिति में भारत मिडिल क्लास और वर्किंग क्लास का देश बनकर रह जाएगा। औद्योगिक एवं व्यापारिक निवेश की संभावनाएं और उद्यमशीलता एक तरह से खत्म हो जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा पोषित कुछ ही कारोबारियों के हित संरक्षण को लेकर सरकार और जांच एजेंसियों द्वारा प्रतिस्पर्धियों को समाप्त किया जा रहा है। यह भी पलायन का एक सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार मेक इन इंडिया या स्टार्टअप इंडिया जैसे नारों से नहीं चल पाएगी। भारत सरकार को स्थिर पारदर्शी और सुरक्षित कारोबारी माहौल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारत में जो नियम और कानून बनाए जाएं।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो ! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता ! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं ! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख दें, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए हैं। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं। झुको और पीओ ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

- तनवीर जाफरी

इस्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बर्बादी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्राईल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है। खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलावा गया,बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है। आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्राईली सेना के ज़ुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बर्बादी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं। एक ओर तो इस्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम तहरीर नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने तहरीर को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन तहरीर को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो ? बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहमो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया। इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

स्वामी शिवानंद ने बदल दी डॉ. कलाम की जीवन दिशा

-कुमार कृष्णन

तारीख थी 27 जुलाई, साल था 2015... और शाम ढल चुकी थी। भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलॉन्ग का एक सभागार छात्रों से भरा पड़ा था। मंच से एक जाने-माने शख्स सबको संबोधित कर रहे थे, लेकिन तभी अचानक खामोश हो गए। अचानक लड़खड़ा कर गिरे तो उठ नहीं पाए। बाद में खबर आई तो निधन की। ये कोई और नहीं बल्कि मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम थे, जिन्होंने जीवन भर देश को शक्तिसंपन्न और आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा। स्वामी शिवानंद की मुलाकात ने उनकी जीवन की दिशा बदल डाली। भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मानसिक शांति की खोज में स्वामी शिवानंद के आश्रम पहुंचे स्वामीजी का भव्य व्यक्तित्व देखकर कलाम बहुत प्रभावित हुए। जब उन्होंने स्वामीजी को अपना परिचय दिया, तो वे बड़े स्नेह से उनसे मिले। कलाम ने उस भेंट के विषय में एक जगह लिखा है- मेरे मुस्लिम नाम की उनमें जरा भी प्रतिक्रिया नहीं हुई मैंने उन्हें वायुसेना में अपने नहीं चुने जाने की असफलता के विषय में बताया तो वे बोले- इच्छा, जो तुम्हारे ह्रदय और अंतरात्मा से उत्पन्न होती है, जो शुद्ध मन से की गई हो, एक विस्मित कर देने वाली विद्युत चुंबकीय ऊर्जा होती है। यही ऊर्जा हर रात को आकाश में चली जाती है और हर सुबह ब्रह्मांडीय चेतना लिए वापस शरीर में प्रवेश करती है। अपनी इस दिव्य ऊर्जा पर विश्वास रखो और अपनी नियति को स्वीकार कर इस असफलता को भूल जाओ। नियति को तुम्हारा पायलट बनना मंजूर नहीं था।अतः असमंजस और दुख से निकलकर अपने लिए सही उद्देश्य की तलाश करो स्वामी शिवानंद के शब्दों ने जादू-सा असर दिखाया और कलाम ने दिल्ली आकर डीटीडीएंडपी जाकर अपने साक्षात्कार का नतीजा पता किया। नतीजा उनके पक्ष में था और वे वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर नियुक्त हुए। आगे चलकर वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए।कभी इच्छा, संकल्प और प्रयत्न के बावजूद भाग्य साथ नहीं देता है, किंतु इससे निराश होने के स्थान पर स्थिर चित्त से विचार कर कार्य-दिशा कुछ परिवर्तित करते हुए दोगुने उत्साह से प्रयत्नशील होना चाहिए। अंततः सफलता अवश्य मिलती है।डॉ. कलाम ने अपनी किताब अग्नि की उड़ान और माय जर्नी: ट्रांसफॉर्मिंग ड्रीम्स इन टू एक्शन में इस वाकये का जिक्र किया है। राष्ट्रपति बनने के बाद वे दो बार मुंगेर आए और बिहार योग विद्यालय में प्रज्ज्वलित स्वामी शिवानंद जी की अखंड ज्योति का साक्षात्कार किया। वे वहां राष्ट्रपति नहीं एक शिष्य की तरह पधारे। वे आजन्म गुरुओं के शिष्य बने रहे।

कलाम साहब आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन, उनकी आवाज आज भी स्कूलों में, किताबों में, मिसाइल प्रक्षेपणों में और हर उस युवा के सपनों में गूंजती है, जो कुछ बड़ा करना चाहता है।

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ. अबुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम है। कलाम का जीवन कोई साधारण कहानी नहीं है। यह उस मछुआरे के बेटे की गाथा है, जिसने रामेश्वरम की गलियों से चलकर राष्ट्रपति भवन की दहलीज तक का सफर तय किया और मिसाइल तकनीक से लेकर बच्चों के मन तक में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव रामेश्वरम में हुआ। उनके पिता ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन जीवन की सच्ची शिक्षा कलाम साहब ने उन्हीं से सीखी और वह थी ईमानदारी, परिश्रम और दूसरों की सेवा। कलाम साहब ने अपनी आत्मकथा विंग्स ऑफ फायर में इसका जिक्र भी किया है।

कलाम साहब ने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और फिर अपने जीवन को राष्ट्रनिर्माण के यज्ञ में समर्पित कर दिया। डीआरडीओ में होवरक्राफ्ट पर काम करते हुए उन्होंने जो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सीखा, वह आगे चलकर इसरो में एक महान परिवर्तन का कारण बना। वहां उन्होंने भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 विकसित किया, जिससे 1980 में रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। यह क्षण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में मील का पत्थर था। यहीं से कलाम साहब को मिसाइल मैन का नाम मिला, जो उन्हें अमर कर गया। उन्होंने पृथ्वी और अग्नि जैसे स्वदेशी मिसाइल विकसित किए। उन्होंने न सिर्फ भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाया बल्कि सामरिक दृष्टि से आत्मगौरव और आत्मविश्वास से भर दिया। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों में उनकी भूमिका रणनीतिक और निर्णायक रही। एक वैज्ञानिक के रूप में वे केवल प्रयोगशाला के भीतर सीमित नहीं रहे। वे नीति, सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से देश के भविष्य की नींव रख रहे थे।

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) के अध्यक्ष और एक प्रख्यात वैज्ञानिक के रूप में, उन्होंने 500 विशेषज्ञों की मदद से देश का नेतृत्व करते हुए प्रौद्योगिकी विजन 2020 पर पहुंचकर भारत को वर्तमान विकासशील स्थिति से विकसित राष्ट्र में बदलने का रोडमैप प्रस्तुत किया। डॉ. कलाम ने नवंबर 1999 से नवंबर 2001 तक कैबिनेट मंत्री के पद पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में कार्य किया और कई विकास अनुप्रयोगों के लिए नीतियों, रणनीतियों और मिशनों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार रहे। डॉ. कलाम कैबिनेट की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी-सी) के पदेन अध्यक्ष भी थे और उन्होंने इंडिया मिलेनियम मिशन 2020 का नेतृत्व किया।

कलाम साहब की एक और भूमिका भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में रही। 2002 में जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली, तब देश को एक ऐसा राष्ट्रपति मिला जो जनता के दिलों में बसता था। उन्होंने राष्ट्रपति भवन को सत्ता का किला नहीं, जनसंपर्क का केंद्र बना दिया। उनकी सादगी, उनके व्याख्यान और आम लोगों के साथ उनके सहज संवाद ने उन्हें जनता का राष्ट्रपति बना दिया।

2007 में राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी उनका सफर थमा नहीं। वे विश्वविद्यालयों में पढ़ाते रहे, छात्रों से संवाद करते रहे, और युवाओं को प्रेरणा देते रहे। उन्होंने कई प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं, जो आज भी युवाओं की सोच को दिशा देती हैं और कलाम साहब के विचारों को जीवित रखती हैं। डॉ. कलाम के विचारों में भारत का भविष्य बसता था। एक ऐसा भारत जो तकनीकी रूप से उन्नत हो, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो, और नैतिक रूप से मजबूत हो।

अपने साहित्यिक प्रयासों के दौरान, डॉ. कलाम की चार पुस्तकें—विंग्स ऑफ फायर, इंडिया 2020—ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी और इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया भारत और विदेशों में रहने वाले भारतीयों के बीच लोकप्रिय हो गईं।

मत्तरू जैसे संस्कृत गांव बनाने के लिए मंत्री कर्नाटक के दौरे पर!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

इन दिनों उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ,संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनंद भारद्वाज समेत कई अधिकारी कर्नाटक के शैक्षिक दौरे पर है।उनके इस दौरे का लक्ष्य कर्नाटक की तरह देवभूमि उत्तराखंड में भी संस्कृत गांव बनाना है,हालांकि उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा विभाग ने उत्तराखंड के हर जनपद में एक गांव को संस्कृत गांव विकसित करने के लिए गांव का चयन भी कर लिया है,लेकिन ये गांव मत्तूर जैसे अभी तक नही बन पाए है इसी कारण इस दौरे को जरूरी माना गया,ताकि कर्नाटक के अनुभव का लाभ लिया जा सके।मत्तरू गांव में चौबीसों घंटे सिर्फ संस्कृत ही बोली और पढ़ी जाती हैं। मत्तूर गांव में पिछले छह सौ वर्षों से संस्कृत जिंदा है। वहां के लोग दैनिक बातचीत में नियमित संस्कृत का प्रयोग करते हैं। संस्कृत भाषा की जो परंपरा सदियों पहले हुआ करती थी, उस गांव में आज भी यथावत है। मत्तूर गांव कर्नाटक से करीब 300 किलोमीटर दूर तुंग नदी के निकट बसा है जिसे देश के अंतिम संस्कृत भाषी गांव की उपाधि हासिल है। गांव में रहने वाले प्रत्येक शख्स को संस्कृत बोलनी, लिखनी और पढ़नी अच्छे से आती है। बड़ो से लेकर बच्चे और महिलाएं भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं। मत्तूर गांव में 16वीं शताब्दी से संस्कृत बोली जाती है। किसान मजदूरों से लेकर नौकरीपेशा लोग भी संस्कृत में बात करते हैं। इस अनोखे गांव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, इंदिरा गांधी,अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी भ्रमण कर चुके हैं। गांव में बाहरी लोगों के लिए कोई होटल या रेस्टॉरेंट नहीं है। गांववासी अपने यहां उनके खाने और रुकने की व्यवस्थाएं निःशुल्क करते हैं। संस्कृत प्रेमी जब वहां पहुंचते हैं तो गांव वाले उन्हें पानी और गुड देकर उनका स्वागत करते हैं। मत्तूर गांव में विभिन्न देशों के लोग संस्कृत सीखने लगातार पहुंचते रहे हैं। संस्कृत भारत की प्राचीन और शास्त्रीय भाषा रही है जिसका इतिहास 3500 साल पुराना है। संस्कृत को देवों की भाषा कहा गया है। संस्कृत के गर्भ से ही संसार की ज्यादातर भाषाओं की उत्पत्ति हुई है। वेदों की रचना संस्कृत से ही हुई। संस्कृत को भारत की सर्वाधिक पुरानी भाषाओं में गिना जाता है। सन 1981 में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए गठित संस्था संस्कृति भारती ने मत्तूर में 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें पड़ोसी उडुपी में पेजावर मठ के संत सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया था। जब संत ने संस्कृत को संरक्षित करने के लिए मत्तूर में गांव वालों के उत्साह को देखा, तो उन्होंने तुरंत संस्कृत भाषा को अपनाने की गुजारिश की, जिसे स्थानीय लोगों ने दिल से स्वीकार कर लिया। इसी तरह मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर झिरी गांव ने देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस गांव में रहने वाला हर शख्स संस्कृत में ही बात करता है। यहां के लोगों ने संस्कृत भाषा को पूरी तरह से अपने जीवन में ढाल लिया है। यहां गांव की दीवारों पर संस्कृत में श्लोक लिखे हैं। यहां लोग अपने दिन की शुरूआत गुड मॉर्निंग से नहीं बल्कि नमो नमः से करते हैं।एक हजार की आबादी वाले झिरी गांव में महिलाएं किसान, मजदूर यहां तक की छोटे बच्चे भी संस्कृत में बात करते हैं। इसकी शुरूआत सामाजिक कार्यकर्ता विमला तिवारी ने सन 2002 से की थी। उन्होंने गांव में संस्कृत पढ़ाना शुरू किया।

आज का राशिफल

मेष कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाने से आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

तुला आज आपको जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

वृषभ किसी काम के परिणाम का इंतजार था तो अब आपको उसका शुभ नतीजा मिल सकता है।

वृश्चिक पद के व्यक्ति के साथ निकटता या दोस्ती होने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

मिथुन आज जिस भी काम में हाथ लगाएंगे वह बहुत आसानी से पूरा हो जाएगा।

धनु कुछ समय से विरोधियों के चलते बाधाओं का सामना कर रहे थे तो अब वे दूर हो सकती है।

कर्क आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हर कार्य में सफलता प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

मकर मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है किसी खास व्यक्ति से उपहार मिलने की भी संभावना है।

सिंह कार्यस्थल पर मान-सम्मान में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

कुंभ आज आपको बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या आज काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे मानसिक तनाव महसूस होगा।

मीन कड़ी मेहनत और भागदौड़ करनी पड़ सकती है। यह आपके लिए लाभकारी भी सिद्ध हो सकती है।

विशेष

रिटायरमेंट की चर्चाएं शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को 75 साल के होने जा रहे हैं। उनके रिटायरमेंट को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी रिटायरमेंट के बाद में वह क्या करेंगे, उन्होंने खुद बता दिया है सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने 70 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। उनका रिटायरमेंट भी चर्चाओं में है। मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर और कई बड़े केंद्रीय मंत्री और नेताओं को 75 साल की उम्र में घर बैठा दिया गया था।

विपक्ष को हंगामा पसंद

मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। रोजाना संसद के दोनों सदनों में हंगामा हो रहा है।सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक दूसरे के ऊपर दोषारोपण करने की होड़ लगी हुई है। सरकार कहती है, विपक्ष हंगामा करता है। विपक्ष आरोप लगाता है, सरकार स्वयं सदन को नहीं चलाना चाहती है। विपक्ष के सवालों के जवाब से बचने के लिए सत्ता पक्ष सदन के अंदर हंगामा मचाती है।

सरकार के गले में अटका

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में बड़ी रार देखने को मिल रही है।तीसरे दिन सत्ता पक्ष ने 16-16 घंटे की बहस दोनों सदनों में स्वीकार कर ली है। सोमवार से इस पर बहस शुरू होगी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर को लेकर रोजाना नए-नए दावे कर देते हैं। रही सही कसर सेना प्रमुखों के बयान ने पूरी कर दी है। सरकार को बच निकलने का कोई मौका नहीं मिल रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1540: इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम ने कैथरीन हावर्ड से विवाह किया. 1794: फ्रांस के क्रांतिकारी नेता मैक्सी मिलियन रोबसपियरे को चार सहयोगियों के साथ मौत के घाट उतार दिया. 1821: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1858: अंगुलियों के निशान का उपयोग पहचान के लिए भारत में पहली बार किया गया. 1868: अमरीका के अश्वेतों को नागरिकता का अधिकार देने का संविधान संशोधन पारित हुआ. 1914: आस्ट्रिया हंगरी ने सर्बिया पर हमला किया. 1914: प्रथम विश्व युद्ध का प्रारंभ हुआ. 1945: अमेरिकी थलसैनिक बी- 25 विमान एम्पायर स्टेट बिल्डिंग, न्यूयार्क से टकराया 14 लोगों की मृत्यु हुई. 1968: जर्मन भौतिक विज्ञानी ओटोहान का निधन हुआ. 1973: अमरीका ने स्काईलैब-2 को तीन यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में भेजा जो 59 दिन बाद धरती पर लौटे.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 209 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि चतुर्थी 23.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 17.36 बजे को समाप्त। योग परिघ 02.54 बजे रात्र को समाप्त। करण वणिज 10.59 बजे तदनन्तर विष्टि 23.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 58'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872419
जूलियन दिन 2460884.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	09.11 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.21 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.36 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.52 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.57 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.16 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.47 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.27 बजे से
		मिथुन	02.25 बजे से
		कर्क	04.39 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। यह त्योहार नाग देवता को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों को दूध पिलाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन पूजा के दौरान कुछ गलतियों को करने से कई समस्या जीवन में आ सकती है।

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है।

- नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक को नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
- नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है।
- इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं

इस दिन क्यों पीटते हैं गुड़िया, क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

नाग पंचमी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. यह दिन पूरी तरह से नागों या सांपों को समर्पित है, जिनकी हिंदू पौराणिक कथाओं में पूजा की जाती है. इस दिन बड़ी संख्या में भक्त नागों की पूजा करते हैं. यह त्योहार भारत और नेपाल में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल नाग पंचमी सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 29 जुलाई को मनाई जाएगी.

नाग पंचमी सावन के महीने में आती है जो भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र महीना है. हिंदू शास्त्रों के अनुसार, नागों को हमेशा एक विशेष स्थान दिया जाता है और उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है. नाग पंचमी के इस शुभ दिन पर, भक्त भगवान के रूप में नागों, सर्पों या सांपों की पूजा करते हैं. लोग मिट्टी से सांप बनाते हैं और उन्हें अलग-अलग रूप देते हैं और उन्हें रंगते हैं, उनकी पूजा करते हैं और दूध और अन्य खाद्य पदार्थ चढ़ाते हैं. कई लोग विशेष रूप से दक्षिण भारत में नागों या सांपों से जुड़े मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं. उन मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है और लोग इस त्योहार को बहुत भव्यता के साथ मनाते हैं. सपेरे भी सांपों को लेकर सड़कों पर निकलते हैं और उन्हें दूध और पैसे चढ़ाए जाते हैं.

नाग पंचमी का क्या है इतिहास

हिंदू धर्म में नाग पंचमी के उत्सव से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं. ऐसी ही एक लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और कंस की है. चूंकि भगवान कृष्ण को कंस के अंत का कारण माना जाता था, इसलिए कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिए कालिया नामक एक सांप को भेजा था. एक दिन जब भगवान कृष्ण नदी के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गेंद पानी में गिर गई. जब वह अपनी गेंद को खोजने के लिए पानी में उतरे, तो उन पर कालिया ने हमला कर दिया. लेकिन अपनी विशेष शक्तियों के कारण, कृष्ण ने न केवल सांप को हराया बल्कि उस पर विजय प्राप्त की और उसके सिर पर बैठकर बांसुरी बजाई. कालिया ने बालकृष्ण से माफ़ी मांगी और वादा किया कि वह कभी भी गांव वालों को नुकसान पहुंचाने के लिए वापस नहीं आएगां यह दिन कालिया पर बालकृष्ण की जीत का प्रतीक है.

नाग पंचमी मंत्र

ऊँ नवकुलया विद्महे विषदंतये धीमहि तन्नो सर्पः प्रचोदयात..!!

नाग पंचमी पर क्यों पीटते हैं गुड़िया

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक लड़का महादेव का बहुत बड़ा भक्त था. वह प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिर जाता था. उस लड़के को मंदिर में प्रतिदिन नाग देवता के दर्शन होते थे. एक बार सावन के महीने में जब वह लड़का अपनी बहन के साथ शिवलिंग की पूजा करने आया. तब भाई-बहन की पूजा से प्रसन्न होकर नाग देवता उन दोनों के पास आकर बैठ गए. यह देखकर लड़के की बहन बहुत डर गई. उसे लगा कि कहीं सांप उसके भाई को न काट ले, इसलिए उसने सांप को डंडे से पीटना शुरू कर दिया. जिससे सांप बहुत घायल हो गया. भाई सांप की हालत देखकर बहुत दुखी हो रहा था. उस समय मंदिर में उपस्थित पुजारी ने कहा कि एक निर्दोष सांप को प्रताड़ित करने के कारण बहन पर सर्प श्राप लग गया है, जिसके कारण तुम्हारी बहन को कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. भाई ने इस श्राप से मुक्ति पाने का उपाय पूछा तो पुजारी ने उसे कपड़े की एक गुड़िया बनाने को कहा. लड़के ने पुजारी के बताए अनुसार कपड़े की एक गुड़िया बनाई और उसे 11 बार सीधा और 11 बार उल्टा पीटना शुरू कर दिया. फिर उसने गुड़िया को जमीन में गहरा गाड़ दिया और इसके बाद सांप की पूजा की. भाई के ऐसा करते ही बहन को सर्प श्राप से मुक्ति मिल गई. कहा जाता है कि तभी से नाग पंचमी पर गुड़िया को पीटा जाने लगा ताकि नाग देवता को किसी भी प्रकार की पीड़ा न हो.

नाग पंचमी के दिन क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

आपको बता दें कि नाग पंचमी के दिन लोहे की वस्तुओं का प्रयोग वर्जित माना जाता है. ऐसे में अगर आप लोहे के तवे पर रोटी बनाते हैं तो यह बहुत ही अशुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, ऐसी भी मान्यता है कि तवे को सांप के फन का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में तवे को आंच या गैस पर चढ़ाने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं. इसलिए नाग पंचमी के दिन तवे को चूल्हे पर नहीं रखना चाहिए. इसके अलावा तवे को राहु का प्रतीक भी माना जाता है. वहीं, अगर इस दिन तवे का प्रयोग किया जाए तो आपकी कुंडली में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. इसलिए इस दिन रोटी खाना वर्जित माना जाता है. इसके साथ ही अगर कोई नाग पंचमी के दिन रोटी खाता है तो उसके जीवन में धन की कमी भी होती है. इसके अलावा परिवार के सदस्यों की तरक्की के रास्ते में कई तरह की बाधाएं भी आने लगती हैं.

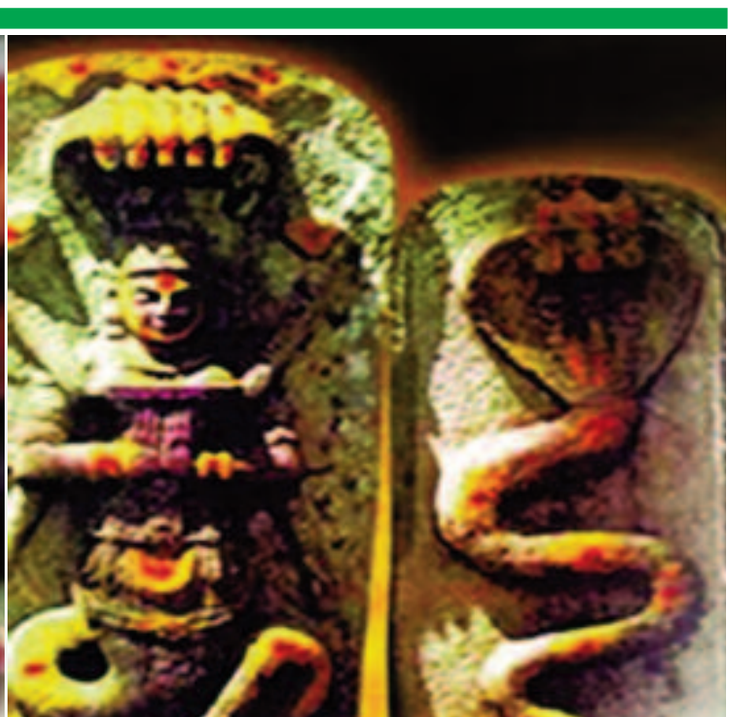

नाग पंचमी कब है? इस बार बने कई शुभ योग

सावन मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि के दिन नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूजा पाठ करने से कालसर्प दोष का अशुभ प्रभाव कम होता है। इस बार नागपंचमी पर कई शुभ योग का संयोग बन रहा है। आइए जानते हैं नाग पंचमी कब मनाई जाएगी। साथ ही जानें नाग पंचमी पर कौन से शुभ योग बने हैं और महत्व।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि का आरंभ 28 तारीख को रात में 11 बजकर 25 मिनट पर आरंभ होगी और 29 तारीख को रात में 12 बजकर 47 मिनट तक तिथि रहेगी। उदय तिथि का अनुसार, नाग पंचमी तिथि 29 तारीख को ही मनाई जाएगी। इस बार नाग पंचमी तिथि पर शिव योग, रवि योग और लक्ष्मी योग का बेहद शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही इस दिन सावन का मंगलवार होने के कारण इस बार नाग पंचमी पर मंगला गौरी व्रत का संयोग भी है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप तप का शुभ फल मिलता है।

नाग पंचमी का महत्व

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में काल सर्प दोष है तो इस दिन नाग पूजा करने से काल सर्प दोष का नकारात्मक प्रभाव कम होता है। साथ ही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,यह पर्व नाग देवता का प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा का प्रतीक भी है। कहा जाता है कि इस दिन पूजा करने से घर में खुशियां और सुख समृद्धि बनी रहती है।

नाग पंचमी पूजा विधि

नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर साफ वस्त्र धारण करें इसके बाद एक लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और उसपर नाग देवता की प्रतिमा स्थापित करें अगर आपके पास मूर्ति नहीं है तो आप आटे की सर्प बनाकर पूजा कर सकते हैं। इसके बाद नाग देवता को दूध, जल, हल्दी, चावल, फूल, रोली,मिठाई आदि चीजें नाग देवता को अर्पित करें और ओम नागदेवाय नम- मंत्र का जप करें। फिर नाग पंचमी की कथा का पाठ करें और नाग देवता की प्रतिमा का दूध से अभिषेक करें और अंत में हाथ जोड़कर पूजा में हुई भूल के लिए माफी मांगे।

नाग पंचमी का त्योहार नागों, सांपों की पूजा के लिए समर्पित है। महाभारत में, राजा जनमेजय ने अपने पिता राजा परीक्षित की मृत्यु का बदला लेने के लिए नागों का नरसंहार करने के लिए यज्ञ शुरू किया था। ऋषि आस्तिक ने नागों को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया और यज्ञ रोकने में सफल रहे। यज्ञ रुकने का दिन पंचमी तिथि था, जो आज नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में, नागों को अत्यंत पूजनीय माना जाता है। ऋषियों, देवताओं, और राजाओं को अक्सर नागों के साथ चित्रित किया जाता है। नाग पंचमी के दिन, लोग अपने घरों में नाग देवता की पूजा करते हैं, उन्हें दूध, चावल, फूल और मिठाई आदि अर्पित करते हैं। कुछ लोग नागों को भी दूध पिलाते हैं या नाग मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। यह माना जाता है कि नाग पंचमी का त्योहार मनाने से भगवान शिव और नाग देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों को आरोग्य, समृद्धि और मोक्ष प्रदान करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति का सम्मान करने और सभी जीवों, चाहे वे कितने ही छोटे या भयानक क्यों न हों, के प्रति दयालु होने का संदेश भी देता है।

नाग पंचमी पर सावन में भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से न केवल सर्प दोष दूर होते हैं, बल्कि नाग को दूध पिलाने से कई संकट भी दूर होते हैं। आइए जानते हैं, नाग पंचमी की सही तिथि, पूजा की विधि और इस बारे में कि यह योग किस प्रकार आपके लिए लाभकारी है ...

नाग दोष और काल सर्प दोष में क्या होता है अंतर? नाग पंचमी पर करें इनसे जुड़े ये अचूक उपाय

अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि काल सर्प दोष और नाग दोष में क्या अंतर है। सनातन धर्म में नागों का विशेष महत्व है और उन्हें देवता के रूप में पूजा जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में सर्पों से जुड़े दोषों का उल्लेख मिलता है जिन्हें नाग दोष और काल सर्प दोष के नाम से जाना जाता है। इन दोषों से व्यक्ति के जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है।

क्या होता है नाग दोष?

नाग दोष मुख्य रूप से राहु के नकारात्मक प्रभाव के कारण बनता है। यह तब उत्पन्न होता है जब कुंडली में राहु या केतु का संबंध कुछ विशेष भावों जैसे पहला, दूसरा, पांचवां, सातवां, आठवां आदि होता है। नाग दोष अक्सर पूर्वजों से संबंधित कर्मों या किसी नाग के अनादर के कारण उत्पन्न माना जाता है। यदि पूर्वजों ने अनजाने में किसी नाग को क्षति पहुंचाई हो या फिर किसी नाग को भूल से मार दिया हो और फिर उसके बाद उस नाग का विधिवत अंतिम संस्कार न किया हो और न ही क्षमा मांगी हो। नाग दोष से पीड़ित व्यक्ति को सबसे ज्यादा वैवाहिक जीवन में परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

क्या होता है काल सर्प दोष?

कालसर्प दोष तब बनता है जब राहु और केतु के बीच कुंडली के सभी 7 ग्रह सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि आ जाते हैं। इसमें कुंडली का आधा हिस्सा राहु-केतु के बीच घिर जाता है और बाकी आधा खाली रहता है। यह दोष 12 प्रकार के हैं जो राहु-केतु की स्थिति पर निर्भर करते हैं। कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को जीवन में संघर्ष, काम में बार-बार बाधाएं, आर्थिक परेशानियां, स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तों में तनाव का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि इस दोष से पीड़ित लोगों को नींद में सांप दिखने लगते हैं या फिर बहुत ज्यादा गला घुटने जैसा महसूस होने लग जाता है।

नाग दोष और काल सर्प दोष के उपाय

नाग दोष और काल सर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव का अभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि नाग शिवजी के गले का हार हैं। ऐसे में शिव पूजन से इन दोनों दोषों का प्रभाव निष्फल हो जाता है। इसके अलावा, ऊँ नमः शिवाय मंत्र का रोजाना जाप भी बहुत असरदार है।

किसी भी सोमवार या फिर नाग पंचमी के दिन चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा बनवाएं। इसे एक थाली में रखकर कच्चा दूध, बताशा और फूल अर्पित करें। फिर ऊँ नागेंद्रहाराय नमः मंत्र का जाप करते हुए इस जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित कर दें। साथ ही, श्री सर्प सूक्त का पाठ भी कर सकते हैं।

दो दशकों में सर्वाधिक 318 प्रतिशत बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

इस साल अब तक 141 कंपनियां बाजार में उतरीं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ बाजार में जबरदस्त तेजी है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में इश्यू के जरिये निवेशकों की सबसे अधिक 318 फीसदी संपत्ति 2019 में बढ़ी है। इस दौरान छोटी एवं मझोली सहित कुल 58 कंपनियां बाजार में उतरीं। उस समय उनका बाजार पूंजीकरण 65,172 करोड़ रुपये था। अब यह पूंजी 2.72 लाख करोड़ रुपये हो गई है। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 2015 दूसरा सबसे बेहतर साल था। इस वर्ष में छोटी एवं मझोली सहित कुल 49 कंपनियां आईपीओ लाईं। उस समय इनकी पूंजी 84,041 करोड़ रुपये थी। अब यह पूंजी बढ़कर 3.48 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। यानी कुल 314 फीसदी का फायदा हुआ। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में अब तक एसएमई सहित कुल 141 से ज्यादा आईपीओ आए हैं। इनके जरिये कंपनियों ने 57,332 करोड़ रुपये जुटाए। इश्यू के समय इनकी पूंजी 2.99 लाख करोड़ थी, जो अब 3.39 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। इस अवधि में निवेशकों की संपत्ति 40,000 करोड़ बढ़ी है।

- **इस हफ्ते 7,000 करोड़ जुटाए जाएंगे-** आईपीओ के जरिये जुलाई के अंतिम सप्ताह में कुल 7,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। मुख्य और एसएमई प्लेटफॉर्म पर कुल 14 कंपनियां उतरेंगी। इसमें से नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) अकेले 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। विश्लेषकों का कहना है कि आईपीओ को लेकर निवेशकों में जबरदस्त दिलचस्पी दिख रही है। ग्रे मार्केट में शेयरों का अच्छा भाव चल रहा है।

रिटर्न में प्रोस्टार्म इन्फो शीर्ष पर

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जितनी कंपनियों के आईपीओ आए हैं, उनमें अपने निवेशकों को रिटर्न देने में प्रोस्टार्म इन्फो सबसे आगे रही है। इसने 111.62 फीसदी का भारी-भरकम फायदा निवेशकों को दिया है। क्वालिटी पावर 84.05 फीसदी रिटर्न देने के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, क्वाड्रांट ने निवेशकों को 62 फीसदी का मुनाफा दिया है। बेलराइज के आईपीओ ने निवेशकों को 45.44 फीसदी, एलनबैरी ने 40.69 फीसदी और संभव स्टील ने 61.84 फीसदी का लाभ दिया है। हालांकि, पांच कंपनियों के शेयरों ने निवेशकों को घाटा दिया है।

इस साल अब तक जुटाए 56,000 करोड़

इस साल जनवरी से लेकर जुलाई तक 34 कंपनियों ने 56,058 करोड़ जुटाए हैं। इसमें से अकेले जून में 8 कंपनियों ने 17,688 करोड़ जुटाए थे। जुलाई में 11,211 करोड़ जुटाए जाएंगे। अगस्त में अब तक 4 कंपनियों ने 5,583 करोड़ जुटाने के लिए अपनी तारीख की घोषणा कर दी है।

कॉरपोरेट बॉन्ड में एफडी से ज्यादा रिटर्न और जोखिम कम

नईदिल्ली, एजेंसी। नियमों और टेक्नोलॉजी में बदलावों के कारण बॉन्ड अब आम निवेशकों के लिए पहले से कहीं ज्यादा सुलभ, सुरक्षित और लाभदायक बन गए हैं। ये धीरे-धीरे लोकप्रिय होते जा रहे हैं।?भारत का कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यह 2014 में सिर्फ तीन अरब डॉलर का था, जो 2024 में बढ़कर

147 अरब डॉलर तक पहुंच गया। पिछले एक दशक में लगभग 54 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई है। यह सिर्फ वृद्धि नहीं, बल्कि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और एक परिपक्व वित्तीय सिस्टम का सबूत भी है।

अब खुदरा निवेशक भी बॉन्ड में हो रहे शामिल- हाल तक कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश अधिकतर संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। ऐसा इसलिए क्योंकि न्यूनतम निवेश 10 लाख या उससे अधिक था। 2023 में सेबी ने आम निवेशकों के लिए भी रास्ता खोल दिया। अब आप कई बॉन्ड में सिर्फ 10,000 रुपये से निवेश कर सकते हैं। कुछ में तो 1,000 रुपये से भी कम में निवेश संभव है। स्टॉक एक्सचेंज के जरिये एक दिन में ही निपटान होता है। बॉन्ड डीमैट खाते में भेज दिए जाते हैं। इन बदलावों ने खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ाई है। ग्रिप इन्वेस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ पांच तिमाहियों में निवेश पांच गुना बढ़ा है। 71 फीसदी लोग फिर से निवेश करते हैं। कई निवेशकों ने 15 माह में लगातार फिर से निवेश कर 10 लाख या उससे ज्यादा का पोर्टफोलियो बना लिया।

आईटीआर भरते समय इन बातों का रखें ध्यान

नहीं आएगा नोटिस और न लगेगा जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने रिटर्न भरने के लिए कई फॉर्म जारी किए हैं। हर फॉर्म खास तरह की कमाई करने वाले और करदाताओं के लिए बनाया गया है। आपने शेयर बेचकर 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस अर्जित किया है या विदेशी बैंक में खाता है, तो आपको रिटर्न भरने के लिए आईटीआर फॉर्म-1 की जगह

INCOME TAX DEPARTMENT

आईटीआर-2 फॉर्म चुनना होगा। गलत फॉर्म के चयन से आपका रिटर्न डिफेक्टिव माना जा सकता है।

कमाई का हर सोर्स बताएं- आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरते समय अपनी कमाई के हर स्रोत की जानकारी दें। चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। जैसे, बचत खाते और फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज, किराये से कमाई या शेयर बाजार में डिविडेंड इनकम।

भारत से इजरायल तक अंबर एंटरप्राइजेज कंपनी ने रचा इतिहास

यूनिट्रॉनिक्स पर कब्जा, शेयर के चढ़े भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की मशहूर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बनाने वाली कंपनी, अंबर एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने एक बड़ा कदम उठाया है।

कंपनी ने इजरायल की यूनिट्रॉनिक्स कंपनी में अपना कंट्रोलिंग स्टेक हासिल करने के लिए आखिरी समझौते पर दस्तखत कर दिए हैं। यह खरीदारी करीब 404 करोड़ की है। अंबर एंटरप्राइजेज ने यह सौदा अपने इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन आईएलजिन इलेक्ट्रॉनिक्स के जरिए किया है। उन्होंने यूनिट्रॉनिक्स के कुछ मुख्य शेयरधारकों से कंपनी का 40.24 प्रतिशत शेयर खरीदा है।

इस खरीदारी के बाद, अंबर और हैम शामी मिलकर यूनिट्रॉनिक्स में कुल 45.13 प्रतिशत हिस्सेदारी के मालिक बन जाएंगे। हर शेयर की कीमत इजरायली करेंसी (न्यू शेकेल) में 15.6 करोड़ तय हुई है, जो भारतीय रुपये में लगभग 404 करोड़ बैठती है। यह पूरा सौदा समझौते की तारीख से 60 कारोबारी दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा।

बाजार का रिएक्शन

इस खबर से पहले, शुक्रवार को अंबर एंटरप्राइजेज के शेयरों में मामूली गिरावट देखी गई थी और वे 7,273.5 पर बंद हुए थे। हालांकि, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 7.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। आज गिरावट भरे बाजार में भी अंबर के शेयर हरे निशान पर हैं और इनमें 1.35 पर्सेंट की तेजी है। अब यह स्टॉक 7372 रुपये पर पहुंच गया है।

खरीदारी के पीछे की रणनीति

अंबर ने बताया कि यह कदम उसकी बड़ी रणनीति का हिस्सा है। उसका इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन अब औद्योगिक उत्पादों के क्षेत्र में भी पैर पसारना चाहता है। यूनिट्रॉनिक्स की खरीद से अंबर को अपने मौजूदा निर्माण कौशल का फायदा मिलेगा और वह भारत में जरूरी उत्पादों को स्थानीय स्तर पर बना सकेगा। इससे भारतीय बाजार में अंबर की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। साथ ही, उसे अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े बाजारों में भी पहुंच मिलेगी। यह कदम इंडस्ट्री 4.0 (ऑटोमेशन और स्मार्ट तकनीक) की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी मददगार होगा।

यूनिट्रॉनिक्स कौन है

यूनिट्रॉनिक्स, जिसकी स्थापना सन 1989 में हुई थी, तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड एक जानी-मानी कंपनी है। यह औद्योगिक ऑटोमेशन उत्पाद बनाने में माहिर है। उनके प्रमुख उत्पादों में प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर, ह्यूमन-मशीन इंटरफेस, पीएलसी और एचएमआई का कॉम्बो उपकरण, और यूनीक्लाउड व द्धद्धश्च्च जैसी सॉफ्टवेयर सेवाएं शामिल हैं। ये उत्पाद फैक्ट्रियों और उद्योगों को स्मार्ट तरीके से चलाने में मदद करते हैं।

मस्क का दावा:

एआई सुनामी से बदलेगी दुनिया

शेयरों में उतार-चढ़ाव

टेस्ला के निवेशक शेयरों में उतार-चढ़ाव के आदी हैं। बुधवार को दूसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद गुरुवार को शेयर 8 प्रतिशत गिरे, लेकिन शुक्रवार को 4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। इस साल अब तक टेस्ला शेयर 22 प्रतिशत नीचे है, हालांकि पिछले 12 महीने में 44 प्रतिशत का उछाल भी देख चुका है।

रोबोट्स से टेस्ला कमाएगी 2500 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। सैन मेटियो, कैलिफोर्निया में शनिवार को टेस्ला ओनर्स ऑफ सिलिकॉन वैली इवेंट में एलन मस्क ने वर्चुअल तौर पर शिरकत की। यह आयोजन टेस्ला फैंस का ग्लोबल समुदाय है। मस्क ने यहां एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा, 20 अरब रोबोट्स के बाजार में टेस्ला सालाना 1 अरब ऑप्टिमस रोबोट बनाएगी। अगर हर रोबोट 2.5 लाख (मोटे अनुमान) का भी होता है, तो कमाई होगी सालाना करीब 2,500 लाख करोड़ (30 ट्रिलियन)। मस्क ने खुद माना कि यह लक्ष्य अभी हवाई किला है, लेकिन उनका विश्वास है कि एआई की रफ्तार सुपरसोनिक सुनामी जैसी है।

ऑप्टिमस रोबोट: 2025 तक शुरू होगा उत्पादन- टेस्ला अपनी एआई और मैन्युफैक्चरिंग तकनीक से ऑप्टिमस ह्यूमनॉइड रोबोट्स विकसित कर रहा है। मस्क के मुताबिक ऑप्टिमस वर्जन 3 अब मास प्रोडक्शन के लिए तैयार है। 2025 के अंत तक कुछ सौ रोबोट्स बनाने का लक्ष्य है (पहले लक्ष्य था हजारों)। 2026 से इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होगा।

एआई और रोबोट्स: दुनिया का सबसे बड़ा बाजार - मस्क का मानना है कि रोबोट्स भविष्य का सबसे बड़ा उत्पाद होंगे। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग भी इससे सहमत हैं। फ्यूचुरम के शे बोलूर के अनुसार, दुनिया में मानव श्रम पर हर साल 4,100 लाख करोड़ (50 ट्रिलियन) खर्च होता है। रोबोट्स इस श्रम को बदलकर क्रांति ला सकते हैं।

पैसे संभाल कर रखिए, लेंसकार्ट का जल्दी ही आ सकता है आईपीओ

मुंबई, एजेंसी चश्मा एवं कुछ अन्य आईवियर बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी अ का नाम आपने सुना ही होगा। यह कंपनी चश्मे के फ्रेम बनाने से लेकर चश्मे तैयार कर बेचती है। इसकी दुकानें भी हैं और ऑनलाइन भी इसकी अच्छी-खासी उपस्थिति है। यह कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट होने की प्रक्रिया में है। जी हां, इसके शेयरहोल्डर्स ने आईपीओ लाने की योजना को मंजूरी दे दी है।

पूंजी बाजार में पहुंचेगी कंपनी- मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों ही लेंसकार्ट के शेयरहोल्डर्स ने आईपीओ लाने की योजना को मंजूरी दी है। कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर से यह जानकारी मिली है। हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक लेंसकार्ट आईपीओ के जरिए 2,150 करोड़ (250 मिलियन) जुटा सकती है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि कंपनी कुल मिलाकर .1 बिलियन तक आईपीओ से जुटा सकती है।

- **जल्दी ही सेबी के समक्ष आवेदन-** मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेंसकार्ट जल्दी ही पूंजी बाजार के नियामक सेबी के समक्ष डीआरएचपी जमा करेगी। यदि सेबी से इसकी मंजूरी मिल जाती है तो फिर जल्दी ही इसके आईपीओ प्रोग्राम की घोषणा हो जाएगी।

कंपनी की आमदनी कितनी

ग्लोबल निवेश फर्म ने हाल ही में लेंसकार्ट का वैल्यूएशन 6.1 बिलियन डॉलर बताया है। कोरोना काल बीतने के बाद कंपनी के बिजनेस में जबरदस्त तेजी देखी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में I रेवेन्यू 43 प्रतिशत बढ़कर 5,427.7 करोड़ पर पहुंच गया था। यह इससे एक साल पहले 3,788 करोड़ था। सिर्फ यही नहीं, कंपनी का घाटा भी लगातार कम हो रहा है।

प्रेग्नेंसी में ऐसा क या आइडिया आया

पति संग सिर्फ 60 हजार से खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर से ताल्लुक रखने वाले एक कपल ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। दीपिका त यागराजन और उनके पति त यागराजन ने 2020 में सिर्फ 60,000 रुपये से पुची नाम से एक मैटरनिटी फैशन ब्रांड शुरू किया था। यह ब्रांड अपनी शुरुआत से सिर्फ तीन साल के भीतर 5 करोड़ रुपये के टर्नओवर पर पहुंच गया। ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटने के बाद उन्होंने यह बिजनेस शुरू किया। उन्हें सही समय पर सही मौके मिले। इसका दोनों ने फायदा उठाया। पुची ब्रांड मैटरनिटी कपड़े, फीडिंग कुर्तियां, बच्चों के जरूरी सामान और कई अन्य चीजें बेचता है। आइए, यहां दीपिका त यागराजन और उनके पति त यागराजन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

- **ऐसे आया आइडिया-** पुची दीपिका और त्यागराजन के निजी अनुभव से उपजा ब्रांड है। त्यागराजन बीटेक ग्रेजुएट हैं। उन्होंने मार्केटिंग में एमबीए किया है। वह ऑस्ट्रेलिया में रियल एस्टेट सेक टर में नौकरी करते थे। वहीं, दीपिका को अपनी प्रेग नेंसी के दौरान स्टाइलिश और आरामदायक मैटरनिटी कपड़े खोजने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। उन्होंने देखा कि बाजार में बेबी प्रोडक ट्स पर अधिक ध्यान दिया जाता था। लेकिन, ऐसे मैटरनिटी वियर की कमी थी जो महिलाओं की जरूरतों को पूरा कर सकें। यहीं से बेटे अभिमन्यु के जन्म ने उन्हें उद्यमी बनने की प्रेरणा दी। अभिमन्यु को वे प्यार से पुचीकहते हैं। पति के समर्थन से उन्होंने 60,000 रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ कोयंबटूर में पुची की शुरुआत की। शुरुआती 10 फीडिंग ड्रेसेस को दीपिका ने खुद डिजाइन किया। ड्रेसेस को स्थानीय कारीगरों से सिलवाया। मार्च 2020 में इंस्टाग्राम पर उन्हें लॉन्च किया। शुरुआती प्रतिक्रिया जबरदस्त थी। इसने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। जल्द ही उन्होंने अपनी खुद की शॉपिफाई वेबसाइट लॉन्च की। इसके कुछ ही हफ्तों के बाद कोरोना महामारी के कारण देशभर में लॉकडाउन लग गया था।
- **प्रोडक्टों की रेंज बढ़ाई-** पुची ने सिर्फ मैटरनिटी और फीडिंग ड्रेसेस से शुरुआत की थी। लेकिन, अब उसने अपनी प्रोडक ट रेंज का काफी विस्तार कर लिया है। उनके लोकप्रिय उत्पादों में मैटरनिटी ड्रेसेस, फीडिंग कुर्ते, बच्चों के जरूरी सामान, खिलौने और किताबें, हैवी फ्लो मैटरनिटी सैनिटरी पैड, मां और बच्चे के लिए मैचिंग सेट, नर्सिंग एसेंशियल, पीरियड केयर उत्पाद, इंटीमेट वियर, बम्प सपोर्ट पैंट, नर्सिंग ब्रा और नर्सिंग फ्रेंडली कफ्तान शामिल हैं।

ऑनलाइन होती है 95 प्रतिशत बिक्री

दीपिका त्यागराजन 34 साल की हैं। उनकी यात्रा तमिलनाडु के गोबिचेट्टीपलयम से शुरू हुई। वहां उनके पिता एक वकील और मां गृहिणी थीं। विजुअल कम्युनिकेशन में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद उन्होंने एक तमिल समाचार चैनल में क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम किया। बाद में एक फोटोग्राफी फर्म में संचालन प्रमुख के रूप में भी काम किया। पुची ने 500 वर्ग फीट के अपने किराए के स्टोर (पीलमेडु, कोयंबटूर) से फिजिकल बिक्री शुरू की है। लेकिन, उनकी ज यादातर बिक्री (95 प्रतिशत) ऑनलाइन वेबसाइट से आती है। उनका लगभग 90 प्रतिशत व्यवसाय भारत के भीतर से आता है, जबकि बाकी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से आता है। आज, पुची 900 से ज्यादा शैलियों की पेशकश करता है। इसमें 40 प्रतिशत उनके अपने उत्पाद हैं। 60 प्रतिशत अन्य ब्रांडों के हैं। अपने पति त्यागराजन के साथ दीपिका न केवल एक सफल व्यवसाय चला रही हैं। अलबत्ता, कई अन्य महिला उद्यमियों को भी मंच प्रदान कर रही हैं।

सर्राफा बाजार में शुरू हई रक्षाबंधन की तैयारियां, हल्के वजन के गहनों पर जोर दे रहे ज्वेलर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन के त्योहार को अभी काफी समय है, बावजूद इसके सरार्फा बाजार अभी से इसके लिए तैयारी में जुट गया है। मुंबई के झवेरी बाजार में ज्वेलर्स हल्के वजन के आभूषण को स्टॉक करने में जुट गए हैं।

इसके साथ ही रक्षाबंधन पर सबसे अधिक बिकने वाली चांदी की राखी को लेकर भी ज्वेलर्स थोड़ी चिंता में देखे जा रहे हैं। सोने के साथ ही चांदी की कीमतें इस बार काफी अधिक होने की वजह से चांदी की राखियों की मांग में कमी आने की संभावना ज्वेलर्स को है।

हालांकि ज्वेलर्स को उम्मीद है कि रक्षाबंधन पर हल्के वजन के आभूषणों की बिक्री होगी।

पिछले साल रक्षाबंधन में सोना 72,500 प्रति 10 ग्राम था- मुंबई झवेरी बाजार के चांदनी ज्वेलर्स के मुकेश जैन कहते हैं कि पिछले साल रक्षाबंधन पर सोना 72,500 प्रति 10 ग्राम और चांदी 84 हजार रुपये प्रति किलो पर थे।

- **कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर होने से ब्रिकी सीमित रहने की संभावना-** बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन के सदस्य एवं ज्वेलर एम कोठारी कहते हैं कि भारतीय सबसे अधिक 22 कैरेट से लेकर 14 और 18 कैरेट में सोने के आभूषणों की खरीदारी करते हैं। लेकिन सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर होने की वजह से इस बार बिक्री सीमित रह सकती है। अगर मांग होगी तो हल्के वजन के आभूषणों की हो सकती है। चांदी की कीमतें भी आसमान छू रही हैं, इस वजह से चांदी की राखी मांग सीमित होने की संभावना है। बावजूद इसके ज्वेलर्स अच्छी बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं। क्योंकि हम अपने पुराने अनुभव से कहते हैं, त्योहारों में सोने और चांदी की बिक्री शुभता के नजरिए से की जाती रही है।

डी मिनौर ने तीन चैंपियनशिप प्वाइंट बचाकर जीता वाशिंगटन खिताब

वाशिंगटन, एजेंसी।

एलेक्स डी मिनौर ने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 5-7, 6-1, 7-6(3) से हराकर अपना 10वां टूर-स्तरीय खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने तीन चैंपियनशिप प्वाइंट बचाए। खिताबी जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर इस हफ्ते एटीपी लाइव रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके साथ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में भी वह दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए। वहीं, स्पेन के फोकिना ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए लाइव रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई और टॉप 20 में वापसी करते हुए अब वह 19वें स्थान पर पहुंचे। रेस टू ट्यूरिन में भी उन्होंने सात पायदान की छलांग लगाकर 11वां स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने फाइनल सेट में 5-4 के स्कोर पर अपनी सर्विस करते हुए तीन चैंपियनशिप प्वाइंट बचाए। ऐसा तब हुआ, जब स्पेनिश खिलाड़ी ने खिताब के लिए सर्विस 30/0 से ब्रेक की थी। एटीपी के मुताबिक, डी मिनौर हार से सिर्फ 16 मिलीमीटर दूर थे, जब उनके प्रतिद्वंद्वी के तीसरे मैच प्वाइंट पर मारा गया एक डेस्परेट लॉब साइडलाइन को छू गया। यहीं से पूरे मैच का रुख बदल गया। खिताबी जीत के बाद डी मिनौर ने कहा, इस कोर्ट की खासियत है। मैंने 2018 में रुबलेव के खिलाफ भी ऐसा ही किया था। सच कहूं तो पता था कि मैं यह कर सकता हूं। मैंने खुद पर भरोसा किया। मैंने खुद से कहा कि चाहे जो हो, पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहूंगा। अगर हार भी गया, तो अपनी शर्तों पर हारूंगा। आज किस्मत मेरे साथ थी। इससे पहले कई ऐसे करीबी मुकाबले हुए, जो मेरे पक्ष में नहीं रहे, लेकिन खुशी है कि यह मैच मेरे पक्ष में रहा।

डी मिनौर ने हालिया सफलता का श्रेय अपनी मानसिकता को देते हुए कहा, मैं इस समय जहां हूं, उससे बहुत खुश हूं। कोर्ट के अंदर और बाहर चीजों को संभालने के तरीके से भी खुश हूं। मेरा मानना था कि भले ही यह दिन मेरे अनुकूल न रहा हो, लेकिन यह हफ्ता बहुत सकारात्मक रहा। इसलिए मुझे अपने प्रयासों पर गर्व था। चाहे कुछ भी हो, लेकिन 10वां खिताब जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है।

वहीं दूसरी ओर, फोकिना के लिए यह हार बड़ा झटका है। वह अपने पहले एटीपी टूर खिताब की तलाश में थे। इससे पहले फरवरी में डेलरे बीच फाइनल में उन्होंने मिओमिर केकमानोविच के खिलाफ दो चैंपियनशिप प्वाइंट गंवाए थे। इसके बाद वह मार्च में अकोपुलको फाइनल भी टॉमस माचाक के खिलाफ हार गए थे।

सुप्रीम कोर्ट से बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राहत, फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में FIR रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

जानें क्या है पूरा मामला

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था। इसके बाद एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं। एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल थे। लक्ष्य और बाकी लोगों पर धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली रिकॉर्ड को वास्तविक के रूप में उपयोग करना) समेत विभिन्न आईपीसी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य को दी बड़ी राहत

याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार की ओर से दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच आदेश दिए थे। हाईकोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद लक्ष्य और उनके परिवार ने तत्काल सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद मामले पर सुनवाई करते हुए इसी साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य और बाकी लोगों को बड़ी राहत दी थी। शीर्ष अदालत ने लक्ष्य और बाकी लोगों के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने एफआईआर ही रद्द कर दी है।

शिकायतकर्ता का क्या कहना था?

शिकायतकर्ता का कहना था कि कर्नाटक बैडमिंट एसोसिएशन और कोच विमल कुमार के सहयोग से लक्ष्य ने आयु वर्ग से नीचे के प्रतियोगियों के खिलाफ खेलना शुरू किया। साथ ही उम्र को लाभ के रूप में इस्तेमाल करते हुए लक्ष्य ने कई टूर्नामेंट जीते और सरकार से कई लाभ प्राप्त किए। इससे अन्य प्रतिभाशाली बच्चों का नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का कहना है कि लक्ष्य का जन्म 1998 में हुआ, जबकि रिकॉर्ड बताते हैं कि लक्ष्य का जन्म 2001 में हुआ था। हालांकि, कोच विमल कुमार ने प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों का खंडन किया था। उन्होंने कहा- लक्ष्य हमारे एकेडमी में आए और मैंने उन्हें 2010 से किसी भी अन्य बच्चे की तरह प्रशिक्षित किया। मैंने सुना था कि एक परिवार एकेडमी और मेरी छवि खराब करने की कोशिश में लगा था, लेकिन इससे हमें कभी कोई परेशानी नहीं हुई।

मुकाबला ड्रॉ, फिर भी टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत एक ही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ रनों का आंकड़ा छूने वाला देश बन गया है। इस मामले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने ही घर पर साल 1920-21 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक ही टेस्ट सीरीज में छह बार 350+ रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ साल 1948 और 1989 में खेली गई सीरीज में इस कारनामे को दोहराया। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में छह-छह दफा 350+ रन बनाए। भारत ने लीड्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 471 और 364 रन बनाए थे। इसके बाद एजबेस्टन में टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बनाए, जबकि अगली इनिंग 427/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम इंडिया ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 387 रन जोड़े, जबकि अगली पारी में 170 रन पर सिमट गई। चौथे टेस्ट की पहली पारी में 358 रन बनाने के बाद भारत ने दूसरी इनिंग में चार विकेट खोकर 425 रन बनाए। मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक जमाए। विपक्षी टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बना दिए। मेजबान टीम की ओर से जो रूट ने 150, जबकि बेन स्टोक्स ने 141 रन टीम के खाते में जोड़े।

यूरो कप फुटबॉलः

इंग्लैंड ने जीता महिला यूरो कप का खिताब

विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया

बासेल, एजेंसी। गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने कहा, हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थे, लेकिन कभी-कभी यह पर्याप्त नहीं होता। हमारी नजर अब 2027 में ब्राजील में होने वाले विश्व कप पर है। शूटआउट में बोनमाटी की स्पॉट किक इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन द्वारा बचाए गए दो गोल में से एक थी। मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी बचा ली गई थी।

डीसी ओपन टेनिसः

महिला एकल में लेयला फर्नांडीज बनीं चैंपियन, पुरुषों में डी मिनौर ने जीता डीसी ओपन का खिताब

वॉशिंगटन, एजेंसी। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। लेयला फर्नांडीज और एलेक्स डी मिनौर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का खिताब जीता। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन 2021 की उपविजेता फर्नांडीज ने अपनी चौथी एकल ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपनी सभी ट्रॉफी हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंटों में जीती हैं।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम- बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

चेसः

हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर दिव्या बनीं फिडे महिला विश्व कप चैंपियन

यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दिव्या देशमुख ने ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वह फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। महिला शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दिव्या देशमुख ने ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वह फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। कोनेरू हम्पी के पास वापसी का एक छोटा सा मौका था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं। दिव्या ने काले मोहरों पर एक शानदार जीत दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को फिडे महिला विश्व कप फाइनल के पहले और दूसरे गेम में कोई मौका दिए बिना ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया था। इससे मैच टाईब्रेकर में पहुंचा था।

टाईब्रेकर में कैसे खेला जाता है मैच - टाई-ब्रेकर में 15-15 मिनट के दो गेम होंगे जिसमें हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होगा। स्कोर इसके बाद बराबर रहता तो दोनों खिलाड़ियों को 10-10 मिनट प्रति गेम के हिसाब से एक और सेट खेलने का मौका मिलता। इसमें भी हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होता। दोनों के बीच पहला रैपिड टाईब्रेकर भी ड्रॉ रहा। फिर दूसरे टाईब्रेकर में फैसला आया। मैच का परिणाम अगर दूसरे टाईब्रेकर में भी नहीं निकलता, तो पांच-पांच मिनट के दो और गेम होते और इसमें हर चाल के बाद तीन सेकेंड की बढ़ोतरी होती। इसके बाद एक गेम का मुकाबला होता जिसमें दोनों खिलाड़ियों को तीन मिनट मिलते और दो सेकंड का इजाफा होगा। यह तब तक चलता, जब तक कोई खिलाड़ी विजेता न बना जाए। हालांकि, इसकी नौबत नहीं आई। नागपुर की 19 वर्षीय दिव्या अब खिताब जीतकर ग्रैंडमास्टर बन चुकी हैं।

शादी से पहले इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे थे सचिन तेंदुलकर! अब हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को अक्सर त्थ्श्स्र श्द्ध ष्टह्लद्बष्द्मद्गह्ल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ की चर्चा अक्सर होती रहती है, वहीं उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कम ही बातें सामने आती हैं। हाल ही में एक पुराने किस्से ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरीं, जब बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने एक इंटरव्यू में सचिन तेंदुलकर से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की।

- **शिल्पा शिरोडकर ने क्या कहा** - शिल्पा शिरोडकर ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्होंने पहली बार सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, सचिन वहीं रहते थे, जहां मेरा भाई रहता था। दोनों साथ में बांद्रा ईस्ट में क्रिकेट खेला करते थे। उसी समय मैं सचिन से मिली थी। हम अच्छे दोस्त थे और मुझे पहले से पता था कि सचिन और अंजलि एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन तब किसी को इस बारे में जानकारी नहीं थी।
- **अफेयर की अफवाहें कैसे उड़ीं** - शिल्पा ने यह भी बताया कि वे एक अभिनेत्री थीं और सचिन क्रिकेटर, इसलिए मीडिया और लोगों के लिए दोनों का नाम जोड़ना आसान हो गया। उन्होंने साफ किया कि वे सचिन से केवल एक बार मिली थीं और इसके बाद भी दोनों के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

इस जनरेशन के बच्चे मुझे नहीं, 'श्याम' को पहचानते हैं

फिल्म 'हेरा फेरी' में सुनील शेट्टी, परेश रावल और अक्षय कुमार की तिकड़ी ने अभिनय का ऐसा रंग जमाया कि आज भी दर्शक इनके निभाए किरदारों को याद करते हैं। हाल ही में सुनील शेट्टी ने फिल्म 'हेरा फेरी' के अपने किरदार श्याम के बारे में विस्तार से बात की। उनका कहना है कि आज की जनरेशन उन्हें नाम से नहीं किरदार से ज्यादा पहचानती है।

बच्चे मुझे श्याम के किरदार से पहचानते हैं'

हालिया बातचीत में सुनील शेट्टी कहते हैं, 'आज की जनरेशन मुझे नहीं पहचाती हैं लेकिन जब उनकी मम्मी 'हेरा फेरी' के श्याम का नाम लेती है, तो बच्चे मुस्कुराने लगते हैं। मैं सुनील शेट्टी नहीं 'हेरा फेरी' के श्याम के तौर पर नई जनरेशन में पहचाना जाता हूं। आज की जनरेशन ने मेरी फिल्में नहीं देखी हैं। लेकिन जब 'श्याम' का किरदार बता दो तो वह मुझे पहचान लेते हैं।'

डायरेक्टर के विजन के कारण किरदार यादगार बनते हैं

सुनील शेट्टी आगे कहते हैं, 'बच्चे किसी कैरेक्टर से ही रिलेट करते हैं और यह तब हो पाता है, जब एक कमाल का डायरेक्टर अपनी कहानी और किरदार को बेहतरीन तरीके से पेश करता है। 'हेरा फेरी' का तो म्यूजिक भी कमाल का था, इसमें जो गाना 'पो पो..' था वह भी यूनीक था। इसी तरह से 'धड़कन और 'बॉर्डर' के गाने भी लोगों को याद रहते हैं। आज आप 'संदेश आते हैं..' सॉन्ग कहीं प्ले कीजिए लोग रोने लगते हैं, इमोशनल हो जाते हैं। इस तरह हमारे किरदार, पुराने गाने लोगों से जुड़ जाते हैं।'

'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे सुनील शेट्टी

'हेरा फेरी 3' को लेकर काफी चर्चा है, इस फिल्म का हिस्सा भी सुनील शेट्टी हैं। इसके अलावा वह एक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे। हाल ही में सुनील शेट्टी की एक फिल्म 'केसरी वीर' भी रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक योद्धा का रोल किया था।

छावा एक्टर विनीत कुमार सिंह बने पिता

छावा में नजर आए एक्टर विनीत कुमार सिंह एक बेटे के पिता बन गए हैं। शादी के तीन साल बाद उनके घर में किलकारियां गूंजी हैं। विनीत और पत्नी रुचिरा ने सोशल मीडिया पर फैंस संग यह गुड न्यूज शेयर की है।

साल 2025 विनीत के लिए ढेर सारी खुशियां लेकर आया है। एक तरफ उन्होंने छावा, जाट और सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव में तारीफें बटोरीं, दूसरी ओर वह पिता बन गए हैं। विनीत कुमार सिंह ने रविवार, 27 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, भगवान का प्रेम बरस रहा है। वो बड़े दयालु हैं। इस दुनिया में छोटे सिंह आ चुके हैं। वो पहले ही हमारा दिल चुरा रहे हैं। बेटा हुआ है। भगवान इस प्यारे से खुशी के तोहफे के लिए शुक्रिया।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज डेट पर लगी मुहर, कोर्ट ने हटाई रोक

काफी विवादों में रही विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स अब जल्द रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में 6 बदलाव करने के आदेश दिए थे और अब इसकी रिलीज पर से रोक हटा ली गई है।

विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स रिलीज से पहले काफी विवादो में रही। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म की रिलीज डेट फाइनली सामने आ गई है। ये फिल?म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन तमाम कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से इस फिल्म की रिलीज टल गई थी।

8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स

विजय राज स्टारर इस फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सांप्रदायिक सद्भावना को भड़काने और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने की आशंका के बाद इसमें 6 अतिरिक्त बदलाव किए गए। ये अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने दावा किया कि उन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिला है, जिसमें बोर्ड ने 55 सीन काटने का सुझाव दिया है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

सैयारा की सफलता के बाद इस प्रोजेक्ट में नजर आएंगी अनीत

फिल्म सैयारा की सफलता के बाद अब एक्ट्रेस अनीत पड्डा के अगले प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी अगली सीरीज ओटीटी पर रिलीज होगी। अनीत पड्डा ने हाल ही में बड़े पर्दे पर सैयारा जैसी सुपरहिट फिल्म से लीड एक्ट्रेस के तौर पर धमाकेदार डेब्यू किया है। अब खबर है कि वो जल्द ही एक नए और गंभीर किरदार में नजर आने वाली हैं। कोर्टरूम ड्रामा में दिखेंगी अनीत

एचटी डिजीटल की रिपोर्ट की मानें तो यशराज फिल्म्स से जुड़े सूत्र ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी है। ये एक सच्ची घटना से प्रेरित कोर्टरूम ड्रामा बताया जा रहा है, जिसका नाम है न्याय। ये सीरीज एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी, जिसमें अनीत के साथ फातिमा सना शेख और अर्जुन माथुर भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

न्याय की कहानी एक युवा लड़की की होगी जो एक प्रभावशाली धार्मिक नेता द्वारा यौन शोषण का शिकार होती है और उसके खिलाफ अदालत में लड़ाई लड़ती है। इस सीरीज में अनीत एक 17 वर्षीय पीड़िता की भूमिका निभा रही हैं, जो न सिर्फ सामाजिक दबाव से जूझती है बल्कि कानूनी पछड़ो से भी लड़ती है। वहीं फातिमा सना शेख एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के किरदार में होंगी, और अर्जुन माथुर एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं जो न्याय की इस लड़ाई में एक अहम मोड़ लाएंगे।

सैयारा से पहले हो चुकी थी शूटिंग

ऐसा बताया जा रहा है कि न्याय की शूटिंग उस समय पूरी हो चुकी थी जब अनीत ने सैयारा साइन भी नहीं की थी। सैयारा की जबरदस्त सफलता के बाद अनीत की ये सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सीरीज का निर्देशन

न्याय का निर्देशन नित्या मेहरा और करण कपाड़िया ने मिलकर किया है।

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है। नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी।

हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते। इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आई। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से लौट सकता है टीवी का सुनहरा दौर:चेतन हंसराज

अनुभवी अभिनेता चेतन हंसराज को उम्मीद है कि लोकप्रिय शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 टीवी का सुनहरा दौर वापस ला सकता है। चेतन का मानना है कि इस शो के वापस आने से लोग फिर से उस तरह की कहानियां देखने को मिलेंगी जो पहले टीवी को खास बनाती थीं। चेतन ने कहा कि भारतीय टीवी बहुत बदल गया है, लेकिन कहानी कहने के तरीके में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। उन्होंने बताया कि टीवी का वो सुनहरा समय, जब नई और दिलचस्प कहानियां दिखती थीं, अब बीता हुआ सा लगता है। अभी टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वो थोड़ा एक जैसा और थमा हुआ सा प्रतीत होता है। ब्रह्मराक्षस शो के अभिनेता ने कहा, टीवी बहुत बदल गया है, लेकिन कहानियों के मामले में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। टीवी का वो सुनहरा दौर बीत गया जब नई और दिलचस्प कहानियां काफी दिखती थीं। अब टीवी पर चीजें थोड़ी रुक-सी गई हैं। मुझे उम्मीद है कि क्योंकि जैसे पुराने शो के वापस आने से, खासकर एकता कपूर और स्मृति ईरानी के साथ, टीवी का वो सुनहरा दौर फिर से लौट आएगा। एकता कपूर का शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 29 जुलाई को स्टार प्लस पर शुरू होने वाला है। इस नए सीजन में स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय फिर से अपने पुराने और पसंदीदा किरदार, तुलसी और मिहिर विरानी के रोल में नजर आएंगे। इनके अलावा, शो में हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान, शक्ति आनंद, कमलिका गुहा ठाकुरता, शगुन शर्मा, रोहित सुचांती, अमन गांधी, अंकित भाटिया, और तनिषा मेहता अहम किरदार में दिखेंगे। दर्शक इस नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं चेतन हंसराज की बात करें तो वह कहानी घर घर की, कुसुम, और क्या हुआ तेरा वादा जैसे सीरियल्स में खलनायक की भूमिकाओं में देखे गए हैं।

सुरवीन चावला ने एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए

सुरवीन चावला थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन

बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी। इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती।

निर्माता रोशन मैथ्यू की फिल्म में दिखाई देंगी सैयामी खेर

सेयामी खेर ने हिंदी के अलावा भी काम किया है। अब सैयामी से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है। दरअसल, अब सैयामी मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने खुद इस खबर पर मुहर लगाई है। एक्ट्रेस ने अपनी खुशी जताते हुए कहा... मैं रोशन मैथ्यू की फिल्म में कैमियो कर रही हूं। वह एक बेहतरीन फिल्म निर्माता और अभिनेता हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे हमेशा से मलयालम सिनेमा बहुत पसंद है और मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस कि सैयामी को इन दिनों वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 में देखा जा रहा है, जिसका निर्देशन नीरज पांडे ने किया है। इसमें केके मेनन करण टैकर, फारुक अली और प्रकाश राज ने भी काम किया है। ये सीरीज हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। सीरीज का दूसरा पार्ट लगभग पांच साल के बाद वापस आया है। इससे पहले सैयामी, सनी देओल की फिल्म जाट में नजर आई थीं।

साभार एजेंसी